दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-145 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 17 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

पुरी की जगन्नाथ रथ यात्रा में एक श्रद्धालु की मौत, कई लोगों के घायल होने की आशंका

पुरी,(आरएनएस)। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भारी भीड़ उमड़ी है, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। भीड़ की वजह से एक श्रद्धालु की दम घुटने से मौत हो चुकी है, जबकि 120 से अधिक लोगों को सांस लेने में तकलीफ होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ मीडिया वेबसाइट ने 200 से अधिक लोगों के बेहोश होने की जानकारी दी है। हालांकि, अभी पुष्टि नहीं हुई है।रिपोर्ट के मुताबिक, हजारों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की वार्षिक यात्रा के साक्षी बनने के लिए गुंडिचा मंदिर की ओर एकत्रित हुए हैं।इस बीच, एक पुरी में ग्रैंड रोड (बड़ा डंडा) पर एक श्रद्धालु दम घुटने से बेहोश हो गया। उसे तुरंत पुरी जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घायलों का इलाज आपातकालीन दल द्वारा किया जा रहा है। पिछले साल 2025 में भी, वार्षिक रथ यात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़ मच गई थी, जिसमें कम से कम 3 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

तब भगदड़ का कारण अनुष्ठान सामग्री से भरे 2 ट्रकों का मंदिर के पास भीड़भाड़ वाले सरधबली इलाके में दाखिल होने को बताया गया था।यहां श्रद्धालु सुबह से पाहुदा अनुष्ठान का इंतजार कर रहे थे, जिसमें देवताओं का चेहरा दिखता है।इस 9 दिवसीय उत्सव का पहला दिन सबसे महत्वपूर्ण है। भगवान लकड़ी के रथों में सवार होकर गुंडिचा मंदिर जाते हैं, जिसे भगवान जगन्नाथ का जन्मस्थान माना जाता है। जैसे ही रथ ग्रैंड रोड पर आगे बढ़ता हैं, लाखों श्रद्धालु पवित्र रस्सियों को छूने के लिए धक्का-मुक्की करते हैं, जो अव्यवस्था का कारण बनता है। कुछ श्रद्धालु रथ के पहिये के नीचे आ चुके हैं।यात्रा के लिए 12,000 पुलिसकर्मी, सशस्त्र बल, 200 मजिस्ट्रेट और 50 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं।

बुलडोजर एक्शन के मामले में सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, याचिकाकर्ताओं को हाई कोर्ट जाने को कहा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उन अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया जिनमें आरोप लगाया गया था कि बुलडोज़र एक्शन के खिलाफ सर्वोच्च अदालत की तरफ से तय किए गए गाइडलाइन्स का उल्लंघन करते हुए तोड़-फोड़ की कार्रवाई की गई। कोर्ट ने कहा कि ऐसी शिकायतों को संबंधित हाई कोर्ट के सामने उठाया जाना चाहिए। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने सभी अवमानना याचिकाओ पर दलील सुनने के बाद यह कहा कि इन याचिकाओं में अलग-अलग तथ्यात्मक विवाद है। अलग-अलग तथ्यों को लेकर दाखिल किए गए इन मामलों के प्रत्येक दावे पर सुप्रीम कोर्ट निर्णय नहीं दे सकता है। इसके बाद कोर्ट ने सभी और मानना याचिकाओं को संबंधित हाई कोर्ट में विचार करने के लिए भेजने का आदेश दिया।

सूरत में भगवान जगन्नाथ के सालाना रथ उत्सव के मौके पर, जहांगीरपुरा इस्कॉन मंदिर द्वारा सूरत रेलवे स्टेशन पर आयोजित जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान एक महिला श्रद्धालु देवी-देवताओं की मूर्तियां ले जा रही है।

इसरो में वैज्ञानिकों के इस्तीफों की झड़ी, मचा हड़कंप, सरकार ने उठाए सख्त कदम

नई दिल्ली (आरएनएस)। पिछले कुछ महीनों में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों के इस्तीफे से सरकार हैरान है. इस स्थिति पर नियंत्रण लगाने के लिए सरकार ने सख्त कदम उठाने का फैसला किया है. वैसे वैज्ञानिक जो गगनयान मिशन पर काम कर रहे हैं, उन्हें विशेष रूप से इसको लेकर आगाह किया गया है. सरकार चाहती है कि किसी भी सूरत में गगनयान मिशन अपने डेडलाइन को मिस न करे.रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार ने इसरो को साफ-साफ निर्देश दिया है कि वे गगनयान समेत अन्य महत्वपूर्ण मिशनों से जुड़े वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों का इस्तीफा स्वीकार न करें. साथ ही यह भी कहा गया है कि यदि कोई वीआरएस चाहता है, तो उसे भी फिलहाल के लिए अनुमति न दी जाए. इस्तीफे से जुड़े सभी आवेदनों पर स्पेस डिपार्टमेंट विचार करेगा. प्राप्त जानकारी के अनुसार केंद्र ने जो परिवर्तन किए हैं, वे इस तरह से हैं. महत्वपूर्ण मिशनों पर तैनात ग्रुप ए के वैज्ञानिकों के इस्तीफे अब सामान्य रूप से स्वीकार नहीं किए जाएंगे. अंतिम स्वीकृति अब अंतरिक्ष विभाग के मुख्यालय के पास होगी।

मध्यप्रदेश बना निवेशकों की पहली पसंद : दिल्ली के दो बड़े आयोजनों में 20,193 करोड़ के मिले निवेश प्रस्ताव

नई दिल्ली में इंटरएक्टिव सेशन में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए निवेशकों को दिया आमंत्रण

भोपाल(आरएनएस)। मध्यप्रदेश ने नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स-2026 तथा इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश के माध्यम से निवेश आकर्षित करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दोनों आयोजनों में प्रदेश को ?20,193 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे लगभग 27,592 लोगों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेशकों, उद्योगपतियों और वैश्विक ब्रांड प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश को देश का उभरता हुआ औद्योगिक एवं टेक्सटाइल हब बताया और उन्हें जनवरी 2027 में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS-2027) में भाग लेने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश निवेशकों को अनुकूल नीतियां, मजबूत अधोसंरचना, कुशल मानव संसाधन और त्वरित प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध करा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन निवेश प्रस्तावों, साझेदारियों और एमओयू के माध्यम से मध्यप्रदेश देश के अग्रणी निवेश गंतव्यों में अपनी स्थिति और अधिक सुदृढ़ करेगा तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

कांग्रेस राम मंदिर, पेपर लीक और एथनॉल के मुद्दे पर सरकार को घेरेगी; मानसून सत्र के लिए तय किया एजेंडा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कांग्रेस ने गुरुवार को निर्णय लिया कि वह संसद के आगामी मानसून सत्र में केंद्र सरकार को शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी अनियमितता, पेपर लीक, राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी, एथनॉल, परिसीमन से जुड़े विषय तथा कई अन्य मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगी.पार्टी का यह भी कहना है कि वह इस सत्र में विदेश नीति के अलावा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यकों के अधिकारों से जुड़े विषय को भी प्रमुखता से उठाएगी।

इसी क्रम में पार्टी की संसदीय रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास 10, जनपथ पर एक बैठक आयोजित की गई.बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे.बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि ''चंदा चोरीक्वआस्था से धोखा, प्रश्नपत्र लीक और शिक्षा व्यवस्था का सुनियोजित पतन, संस्थानों पर कब्जा, राजनीतिक दलों को तोड़ना, अनेक घोटाले और भ्रष्टाचार के आरोप, कमरतोड़ महंगाई के अलावा विदेश नीति की विफलताएं और रणनीतिक भूलें और 3.5 करोड़ वाहन मालिकों पर एथेनॉल मिश्रण (ब्लेंडिंग) थोपना, बेलगाम वनों की कटाई तथा एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर लगातार हमले'' ऐसे प्रमुख मुद्दे हैं जिनको लेकर कांग्रेस मानसून सत्र में मोदी सरकार से जवाब मांगेगी.कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में जनता के जीवन और भविष्य से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

भारतीय नौसेना को मिलेगा नया स्वदेशी शक्ति-संपन्न युद्धपोत मालवन

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय नौसेना अपनी समुद्री सुरक्षा क्षमता को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 22 जुलाई, 2026 को माहे श्रेणी के पनडुब्बी रोधी उथले जल युद्धपोत (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) श्रृंखला के दूसरे युद्धपोत मालवन को औपचारिक रूप से नौसेना के बेड़े में शामिल करेगी। यह समारोह भारतीय नौसेना के आधुनिकीकरण तथा 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की दिशा में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि माना जा रहा है।

भारत की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन तैयार

10 कोच, 2,600 यात्रियों की क्षमता, शून्य कार्बन उत्सर्जन के साथ सतत रेल परिवहन की नई शुरुआत

नई दिल्ली(आरएनएस)। भारतीय रेलवे देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन को परिचालन के लिए तैयार कर चुका है। अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीक से विकसित यह ट्रेन हाइड्रोजन ईंधन की सहायता से स्वयं बिजली उत्पन्न करेगी और परिचालन के दौरान लगभग शून्य कार्बन उत्सर्जन करेगी। इसके साथ ही भारतीय रेलवे स्वच्छ, हरित और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था की दिशा में एक नए युग में प्रवेश करने जा रहा है। रेल मंत्रालय के अनुसार, पिछले 12 वर्षों में भारतीय रेलवे ने तीव्र गति से विद्युतीकरण करते हुए 99 प्रतिशत से अधिक ब्रॉड गेज रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण पूरा किया है। अब हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक को अपनाकर रेलवे पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ा रहा है।पारंपरिक इलेक्ट्रिक ट्रेनों के विपरीत यह ट्रेन ओवरहेड बिजली लाइनों पर निर्भर नहीं रहेगी। इसमें लगी प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन (पीईएम) फ्यूल सेल प्रणाली हाइड्रोजन और वातावरण से प्राप्त ऑक्सीजन के बीच रासायनिक प्रक्रिया के माध्यम से ट्रेन के भीतर ही बिजली उत्पन्न करेगी। इस प्रक्रिया का एकमात्र प्रत्यक्ष उप-उत्पाद जल वाष्प और ऊष्मा होगी। इसमें धुआं, कार्बन उत्सर्जन अथवा डीजल इंजन जैसी प्रदूषणकारी गैसों का उत्सर्जन नहीं होगा। भारतीय रेलवे की यह हाइड्रोजन ट्रेन वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता के कारण भी विशेष महत्व रखती है। जहां दुनिया के अधिकांश देशों में चल रही हाइड्रोजन ट्रेनें केवल दो से चार डिब्बों तक सीमित हैं,

गुजरात में तीन मिनट में दो बार आया भूकंप, लोग सहमे

अहमदाबाद ,(आरएनएस)। गुजरात के कच्छ जिले में गुरुवार को तीन मिनट के अंतराल पर दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए. भूकंप का केंद्र कच्छ जिले में धोलावीरा से 32 किलोमीटर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में स्थित था.रिक्टर पैमाने पर पहले आए भूकंप की तीव्रता 3.6 दर्ज की गई जबकि दूसरा झटका 3.2 की तीव्रता का रहा. हालांकि दोनों भूकंप की तीव्रता अधिक नहीं थी लेकिन लोगों ने कंपन को महसूस किया.पहला भूकंप दोपहर 2:20 बजे दर्ज किया गया. इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.6 मापी गई. भूकंप का केंद्र खावड़ा से लगभग 32 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित था. झटके हल्के थे, लेकिन कई इलाकों में लोगों ने कंपन महसूस किया. कुछ लोग एहतियात के तौर पर घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए.पहले झटके के ठीक तीन मिनट बाद, 2:23 बजे दूसरा भूकंप आया. इसकी तीव्रता 3.2 दर्ज की गई. इस बार भूकंप का केंद्र धोलावीरा से करीब 32 किलोमीटर पश्चिम-उत्तर में था. लगातार दो झटके आने से स्थानीय लोगों में चिंता जरूर बढ़ी, लेकिन प्रशासन के अनुसार स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है।

देवेंद्र फडणवीस के साथ एनसीपी नेताओं की बैठक से सुनेत्रा नाराज, बोलीं- मुझे क्यों नहीं बताया

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र में शरद पवार और उनके दिवंगत भतीजे अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। ऐसी चर्चा है कि शरद केंद्र सरकार के परिसीमन बिल पर इंडिया गठबंधन को धोखा दे सकता है, वहीं अजित की पत्नी सुनेत्रा पवार मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ उनके पार्टी नेताओं की गोपनीय बैठक से बेहद नाराज हैं। बुधवार को उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा ने एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के साथ बैठक की, जो काफी तनावपूर्ण रही। दरअसल, मंगलवार रात को शरद पवार गुट के नेता जयंत पाटिल मुंबई में फडणवीस के सरकारी आवास वर्षा गए थे।

यह बैठक ऐसे समय हुई जब परिसीमन बिल को लेकर शरद पवार के पाला बदलने की खबर आ रही है। वर्षा में हुई बैठक में तटकरे और एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल भी मौजूद थे। इससे दोनों एनसीपी के बीच संभावित सुलह की चर्चा तेज हो गई।बैठक की जानकारी सुनेत्रा पवार को नहीं थी, जिससे उन्होंने नाराजगी जताई।

रिपोर्ट के मुताबिक, सुनेत्रा ने तटकरे से पूछा कि उनको इस बैठक के बारे में दोनों (तटकरे-पटेल) में से किसी ने भी पहले बताना जरूरी क्यों नहीं समझा।इस पर तटकरे ने कहा कि उन्होंने और पटेल ने फडणवीस से तब मुलाकात की जब उन्हें पता चला कि शरद पवार परिसीमन बिल का समर्थन कर सकते हैं।

नगर में निकले जगन्नाथ फूलों से पटी नगर की सड़कें, उमड़ा भक्तों का सैलाब

अब 24 जुलाई तक गुंडीचा भवन स्वयंवरम गार्डन में रहेंगे प्रभु, भीषण गर्मी पर भारी भक्तों का उत्साह, जगन्नाथ महाप्रभु ने नगर भ्रमण कर दिये भक्तों को दर्शन

नर्मदापुरम (आरएनएस)। जगत के स्वामी अखंड मंडलेश्वर धाम डोंगरवाड़ा में विराजित भगवान जगन्नाथगुरुवार को जब अपने सम्पूर्ण वैभव के साथ भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर में निकले तो भक्तों का उत्साह चरम पर रहा।भगवान के स्वागत में भक्तों ने शहर की गलियों को फूलों से पाट दिया। प्रभु के दर्शन के लिए भक्तों का सैलाब सड़कों पर उमड़ पड़ा। लोगों ने भगवान की पूजन अर्चन करने के साथ ही भक्तों का अभूतपूर्व स्वागत किया। आज भीषण गर्मी भी भक्तों के उत्साह को तोड़ नहीं पाई। प्रभु का प्रातः ठाकुर राजा डा आशुतोष शर्मा द्वारा पूजन किया गया। उसके बाद प्रभु गाजे बाजे के साथ नगर भ्रमण पर निकले। भगवान की रथ यात्रा प्रात 11 बजे रामजी बाबा समाधि स्थल से आरंभ हुई। उसके बाद शहर के विभिन्न मार्गो से होती हुई शाम करीब 5रू00 बजे गुंडिचा भवन स्वयंवरम गार्डन पहुंची। यहां भगवान को विधिवत रथ से उतार कर गुंडीचा भवन में विराजित किया गया। अब भगवान यहां 24 जुलाई तक रहेंगे भगवान की रथ यात्रा वापसी रथ यात्रा 24 जुलाई को गुंडीचा भवन से अखंड मंडलेश्वर धाम डोंगरवाडा के लिए प्रस्थान करेगी। गुंडीचा भवन में 24 तारीख तक विभिन्न धार्मिक सांस्कृतिक आयोजन के साथ ही भंडारे का

आयोजन किया जाएगा।

अखाड़ों का प्रदर्शन

रथ यात्रा में नगर के अखाड़े मालखेड़ी ग्वालटोली और भीलपुरा के अखाड़े के कलाकारों द्वारा गुरुजी प्रदर्शन किए गए। लोग उनका प्रदर्शन देखकर आश्चर्यचकित हो गए।

'मुस्लिम समाज द्वारा पूजन अर्चन' साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल प्रस्तुत करते हुए शहर के मुस्लिम समाज और सिख समुदाय द्वारा भी भगवान की पूजा अर्चना करने साथ ही भक्तों का स्वागत किया गया।

'हुई फूलों की बारिश'

रथ यात्रा में शामिल भक्तों के स्वागत अनेक स्थानों पर लोगों ने किया। पूजन और स्वागत करने वालों ने राज्यसभा सांसद माया नारोलियाए विधायक विजय पाल सिंहए रामजीबाबा समाधि के डा विजय महंतए खंडेलवाल परिवार सांसद दर्शन सिंह चौधरी मित्र मंडल अर्चना पुरोहितए शरीफ राइन सिख संगत से अध्यक्ष चित्र गुप्त समाजए नितिन सराठे घंटी वाले हलवाईए राकेश फौजदार अग्रवाल समाज वैभव शर्मा सागर शिवहरे दीपक महाला नीरजा फोज़दार श्याम शिवपुरिया अतुल श्रीवास्तव अंकित पटेल एसएनजी विद्यालय कन्या शाला विद्यालय परिवारए आशीष द्विवेदीए जयश्री अस्पताल चौहान पारिवार माखन नगर रोड धनकामेश्वरी बैंक राजस्थान मिष्ठान भंडार मालाखेड़ी सराफा चौक और शर्मा परिवार समेरिटन्स स्कूल जुमेराती सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा अर्चना की।

अरुणाचल में भारी भूस्खलन, तवांग-थिंगबू रोड बाधित, लोगों से यात्रा न करने की अपील

तेजपुर,(आरएनएस)। तवांग जिला प्रशासन ने एक पब्लिक एडवाइजरी जारी की है जिसमें आने-जाने वालों से तवांग-थिंगबू रोड पर गैर-जरूरी यात्रा से बचने की अपील की गई है. लगातार भारी बारिश की वजह से हुए बड़े लैंडस्लाइड की वजह से कई हिस्सों में और भी चट्टानें खिसकने का खतरा है.थिंगबू के असिस्टेंट कमिश्नर के ऑफिस के मुताबिक, न्यू मालिंग के पास भारी चट्टानें गिरने और कीचड़ जमा होने की वजह से सड़क पर तीन बड़े ब्लॉक बन गए हैं, जिससे यह रास्ता गाड़ियों के आने-जाने के लिए असुरक्षित हो गया है. यह इंटरनेशनल बॉर्डर के पास मागो और बांकरला को जोड़ने वाली एक जरूरी टूरिस्ट रोड है.सड़क ठीक करने का काम बुधवार सुबह 9:15 बजे शुरू हुआ और शाम 4:00 बजे तक चला. इस दौरान टीमों ने कुछ समय के लिए तीनों बड़े ब्लॉक हटा दिए और सड़क को ट्रैफिक के लिए फिर से खोल दिया. हालांकि, अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि लगातार बारिश और खराब मौसम की वजह से नए लैंडस्लाइड और सड़क पर फिर से ब्लॉक होने का गंभीर खतरा बना हुआ है.एडमिनिस्ट्रेशन ने आगे कहा कि प्रभावित हिस्से पर कई बड़े पत्थर खतरनाक जगह पर हैं और उन्हें अभी पूरी तरह से हटाया नहीं गया है।

विंध्य के लिए 'भगीरथ' बने मुख्यमंत्री डॉ. यादव

देश की सबसे लंबी जल-सुरंग स्लीमनाबाद टनल का शुक्रवार को करेंगे निरीक्षण

17 वर्षों की कठिन भू-गर्भीय चुनौती के बाद अंतिम चरण में पहुंची 11.952 किमी लंबी सुरंग नर्मदा का जल गुरुत्वाकर्षण से पहुंचेगा विंध्य के खेतों तक

भोपाल (निप्र) । मध्यप्रदेश के सिंचाई इतिहास की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल स्लीमनाबाद जल-सुरंग अब पूर्णता के अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को कटनी जिले में देश की सबसे लंबी और तकनीकी रूप से सबसे जटिल जल-सुरंग का निरीक्षण करेंगे। लगभग 12 किलोमीटर लंबी यह सुरंग विंध्य पर्वतमाला के भीतर से नर्मदा के जल को गुरुत्वाकर्षण के आधार पर सोन नदी के कछार तक पहुंचाने वाली देश की अनूठी इंजीनियरिंग उपलब्धि है। इसके पूरा होने के साथ ही जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, रीवा और पन्ना के करीब 1450 गांवों की 2.45 लाख हेक्टेयर भूमि को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलेगी, जिससे विंध्य और महाकौशल क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा। मध्यप्रदेश के विकास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ने और विंध्य की सदियों प्यासी धरती को सींचने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं भगीरथ बनकर मैदान में उतर आए हैं। कटनी जिले में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित की जा रही देश की सबसे लंबी और सबसे जटिल जल-सुरंग , यानी स्लीमनाबाद टनल, अब अपनी पूर्णता की ओर है। इसका जमीनी जायजा लेने मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को स्लीमनाबाद पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री का यह संवेदनशील और उच्च-स्तरीय दौरा केवल एक प्रशासनिक निरीक्षण भर नहीं है, बल्कि यह विंध्य और महाकौशल के लाखों किसानों के आंगन में समृद्धि, खुशहाली और लहलहाती फसलों के नए युग का शंखनाद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इसी संकल्प और अटूट इच्छाशक्ति के बल पर सत्रह वर्षों की भू-गर्भीय जंग को जीतकर आज नर्मदा मैया का विंध्य की धरा पर उतरने का स्वप्न साकार होने जा रहा है।यह जल-सुरंग केवल कंक्रीट और पत्थरों को जोड़कर बनाई गई कोई यांत्रिक संरचना नहीं है, बल्कि यह सदियों पुराने एक पौराणिक विरह को मिटाने वाला पवित्र महासेतु है।

लोक मान्यताओं के अनुसार, अमरकंटक के मैकल पर्वतों से निकलने वाली माँ नर्मदा और सोनभद्र विपरीत दिशाओं में बहकर हमेशा के लिए एक-दूसरे से दूर चले गए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसी प्राचीन विरह को मिटाने और विंध्य के सूखे खेतों को पानी देने के लिए इस टनल परियोजना को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बनाया। आज उन्हीं के भगीरथ प्रयासों से विंध्य पर्वतमाला से अमृत-धारा सीधे सोन नदी के कछार में मिलने के लिए आतुर खड़ी है।इस महा-परियोजना को इसकी मंजिल तक पहुंचाने का पूरा श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दूरदर्शी नेतृत्व और अभूतपूर्व प्रशासनिक निर्णयों को जाता है।

भोपाल में स्किन क्लीनिकों पर स्वास्थ्य विभाग का शिकंजा, 6 से 7 क्लीनिकों को नोटिस जारी

भोपाल(निप्र.) । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बाल उगाने और त्वचा संबंधी इलाज के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले करीब छह से सात स्किन क्लीनिकों को स्वास्थ्य विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसके अलावा, कुछ एलोपैथिक डॉक्टरों द्वारा नियमों के खिलाफ जाकर आयुर्वेदिक उपचार करने की शिकायतें भी विभाग को मिली हैं, जिनकी गहन जांच शुरू कर दी गई है। भोपाल में संचालित कुछ त्वचा एवं सौंदर्य (स्किन) क्लीनिकों द्वारा मनमाने ढंग से इलाज करने और मरीजों को गुमराह करने की हरकतों पर अब स्वास्थ्य विभाग ने अपनी सख्ती बढ़ा दी है। विभाग की ओर से शहर के करीब छह से सात स्किन क्लीनिकों को नोटिस थमाए गए हैं। दरअसल, विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि ये क्लीनिक बाल उगाने (हेयर ट्रांसप्लांट व थेरेपी) और चेहरे की झाइयों जैसी विभिन्न समस्याओं के इलाज का झांसा देकर आम जनता से मोटी रकम वसूल रहे हैं और उनके साथ ठगी कर रहे हैं। इसके साथ ही, कई क्लीनिकों के खिलाफ विज्ञापन के जरिए इलाज को लेकर बड़े-बड़े और भ्रामक दावे करने की शिकायतें भी दर्ज कराई गई थीं।

संभागायुक्त भोपाल श्री शर्मा ने 'नशे से है दूरी जरुरी 2.0' जनजागरुकता रथ को दिखाई हरी झंडी

भोपाल (निप्र) । प्रदेश सरकार के 'नशे से है दूरी जरूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर, राजगढ़ से जनजागरूकता रथ को संभाग आयुक्त भोपाल संभाग कर्मवीर शर्मा, आईजी देहात श्रीमती रुचि वर्धन सिंह एवं कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जनजागरूकता रथ जिले के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराएगा तथा उन्हें नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। अभियान का उद्देश्य समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना, युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करना तथा जनसहभागिता के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण को गति देना है। इस अवसर पर संभाग आयुक्त श्री शर्मा ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल शासन के प्रयासों से नहीं, बल्कि जनसहयोग और सामूहिक सहभागिता से ही संभव है। उन्होंने सभी नागरिकों से नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा युवाओं को इस सामाजिक बुराई से दूर रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आईजी देहात श्रीमती सिंह ने युवाओं से नशे से दूर रहकर अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का संदेश दिया। वहीं कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि जिले में अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग तक नशामुक्ति का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

अंतर्राष्ट्रीय इन्वेस्टिगेटर समिट एवं प्रतियोगिता-2026 में एमपी-सीईआरटी को मिला द्वितीय स्थान

दक्षिण कोरिया और ब्राजील सहित 18 से अधिक देशों के बीच प्रदेश का बढ़ाया मान

भोपाल (निप्र) । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का गौरव बढ़ाते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की मध्यप्रदेश कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (एमपी-सीईआरटी) ने प्रथम अंतर्राष्ट्रीय इन्वेस्टिगेटर समिट एवं प्रतियोगिता-2026 में द्वितीय स्थान हासिल किया है। यह प्रतिष्ठित

प्रतियोगिता राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू), गांधीनगर में 11वीं इंटरपोल डिजिटल फॉरेंसिक्स एक्सपर्ट ग्रुप (डीएफईजी) की बैठक संपन्न हुई। प्रतियोगिता में डिजिटल फॉरेंसिक्स, साइबर अन्वेषण, कानून प्रवर्तन, इंटेलिजेंस एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र से जुड़े 18 से अधिक देशों के साथ महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश एवं दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों की प्रतिष्ठित कानून प्रवर्तन एजेंसियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। विश्व की अनुभवी टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा में एमपी-सीईआरटी के प्रतिनिधिमंडल ने तकनीकी विशेषज्ञता, विश्लेषणात्मक क्षमता एवं डिजिटल अन्वेषण कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी प्रथम तथा ब्राज़ील की नेशनल सिक्योरिटी टीम तृतीय स्थान पर रही।

मंत्री श्री सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में भारतीय महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ का किया सम्मान

लॉर्ड्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन पर दी शुभकामनाएँ

भोपाल (निप्र) । खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में मध्यप्रदेश एवं देश का गौरव बढ़ाने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज़ गेंदबाज़ सुश्री क्रांति गौड़ से मुलाकात कर इंग्लैंड के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि क्रांति गौड़ ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश का नाम विश्व पटल पर रोशन किया है। उनकी उपलब्धि प्रदेश की बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को निरंतर प्रोत्साहन दे रही है। आधुनिक खेल अधोसंरचना, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाओं और ग्रामीण क्षेत्रों तक खेल अवसरों के विस्तार का ही परिणाम है कि आज प्रदेश के ग्रामीण अंचलों के बच्चे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। क्रिकेटर क्रांति गौड़ ने कहा कि लॉर्ड्स में भारत की जीत का हिस्सा बनना मेरे और मेरे परिवार के लिए जीवन का सबसे बड़ा पल था। उन्होंने बताया कि लॉर्ड्स के प्रतिष्ठित ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज होते देख उन्होंने उसी समय परिवार को वीडियो कॉल कर वह ऐतिहासिक क्षण साझा किया। उन्होंने कहा कि ऑनर्स बोर्ड पर नाम दर्ज कराना हर क्रिकेटर का सपना होता है। पहली भारतीय महिला क्रिकेटर के रूप में वहां अपना नाम दर्ज होना मेरे लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि केवल मेरी नहीं, बल्कि मेरे परिवार, मेरे कोचों, मध्यप्रदेश और पूरे देश की है। मंत्री श्री सारंग ने विश्वास व्यक्त किया कि सुश्री क्रांति गौड़ की यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रदेश की हजारों बेटियों को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी और आने वाले समय में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत का गौरव इसी तरह बढ़ाते रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टैक्स 2026 कार्यक्रम में प्रदर्शनी का अवलोकन किया

भोपाल में मिक्स लैंड यूज लागू करने की मांगःव्यापारियों ने सांसद को सौंपा ज्ञापन; भेल की जमीन को लेकर NHIA को चेतावनी

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के 10 नंबर मार्केट व्यापारी महासंघ ने गुरुवार को सांसद आलोक शर्मा को ज्ञापन सौंपा। जिसमें 10 नंबर मार्केट एवं अरेरा कॉलोनी मुख्य मार्ग क्षेत्र में मिक्स लैंड यूज लागू करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि वर्ष 2005 के बाद से भोपाल विकास योजना का नया मास्टर प्लान लागू नहीं होने के कारण व्यापारियों को व्यावसायिक भूखंड उपलब्ध नहीं हो सके। जिससे उन्हें वर्षों से आवासीय भवनों में ही व्यापार संचालित करना पड़ रहा है। महासंघ के अध्यक्ष आनंद सोनी ने बताया, क्षेत्र के व्यापारी नगर निगम को नियमित रूप से कमर्शियल टैक्स, मध्य प्रदेश बिजली वितरण कंपनी को व्यावसायिक दरों पर बिजली शुल्क और नगर निगम से प्राप्त कमर्शियल लाइसेंस का शुल्क जमा कर रहे हैं। बावजूद सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में आवासीय भूखंडों पर संचालित व्यावसायिक गतिविधियों को बंद करने के नोटिस जारी किए जा रहे हैं। इससे हजारों व्यापारियों और कर्मचारियों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है। वहीं शासन के राजस्व पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।ज्ञापन में सांसद से मांग की गई कि 10 नंबर मार्केट एवं अरेरा कॉलोनी के मुख्य मार्ग क्षेत्र में मिक्स लैंड यूज लागू कराने, नए मास्टर प्लान में आवश्यक संशोधन कराने और व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए शासन स्तर पर प्रभावी पहल की जाए।महासंघ के संरक्षक ओमप्रकाश साहू, कन्हैयालाल नैमानी, संजय सोनी, मनोज सिंह, भीक मुरारीलाल तलरेजा, किशन बाधवानी और संजय मल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आतम तलरेजा, मुकेश जैन, प्रदीप गुप्ता, मुकेश अग्रवाल आदि मौजूद थे।इधर, भेल की जमीन को लेकर भी मामला सुर्खियों में आ गया है। श्रमिक नेता दीपक गुप्ता ने कहा कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) को केवल सड़क चौड़ीकरण के लिए जगह दी गई, न कि अन्य किसी निर्माण के लिए।

पशुपालन विभाग अपने पास रखने के फैसले पर जीतू पटवारी का मुख्यमंत्री को पत्र, व्यवस्था सुधारने की मांग

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर उनके द्वारा गौ-पालन एवं पशुपालन विभाग अपने पास रखने के निर्णय पर सवाल उठाते हुए विभाग में प्रभावी सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि विभागों का प्रभार बदलना मुख्यमंत्री का अधिकार है, लेकिन जनता यह भी जानना चाहती है कि क्या इससे व्यवस्था में भी बदलाव आएगा।

पत्र में जीतू पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के पास पहले से कई महत्वपूर्ण विभाग हैं और जिन विभागों की जिम्मेदारी उनके पास है, वे भी जनता की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरे नहीं उतर पाए हैं। ऐसे में पशुपालन विभाग का अतिरिक्त प्रभार लेने के बाद प्रदेश के किसान, पशुपालक और गौ-सेवा से जुड़े लोग बेहतर परिणामों की उम्मीद कर रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदेश में गौशालाओं को चारा, पानी, उपचार और अन्य संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए विदिशा पुलिस की सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत बनी मजबूत सहारा

बेटों की बेरुखी के बीच वृद्धा को मिला सम्मानपूर्वक रहने का अधिकार, चार बेटों को भरण-पोषण की जिम्मेदारी

भोपाल (निप्र) । मध्यप्रदेश पुलिस की देशभक्ति -जनसेवा की भावना के अनुरूप वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के समाधान एवं उन्हें सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए पुलिस द्वारा निरंतर संवेदनशील पहल की जा रही है। इसी क्रम में विदिशा पुलिस द्वारा संचालित सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत में वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े पारिवारिक, संपत्ति एवं भरण-पोषण संबंधी प्रकरणों की सुनवाई कर आपसी सहमति और समझाइश के माध्यम से प्रभावी समाधान किया जा रहा है।पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन में आयोजित सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत की बैठक में कुल 08 प्रकरणों की सुनवाई की गई। बैठक में कोर कमेटी के सदस्यों द्वारा संबंधित पक्षों की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुना गया और आवश्यक परामर्श एवं समझाइश के माध्यम से विवादों के समाधान का प्रयास किया गया।एक सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी की बुजुर्ग पत्नी ने शिकायत की कि पति के निधन के बाद दोनों पुत्रों एवं बहुओं ने उनका साथ छोड़ दिया। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें भीख मांगकर अपने पति का अंतिम संस्कार करना पड़ा। इसके बाद दोनों पुत्र मकान पर अधिकार जताते हुए उन्हें घर से बेदखल करने का प्रयास कर रहे थे।

कर्मठ, लग्नशील सरल व्यक्तित्व शरद भरद्वाज का देवलोकगमन

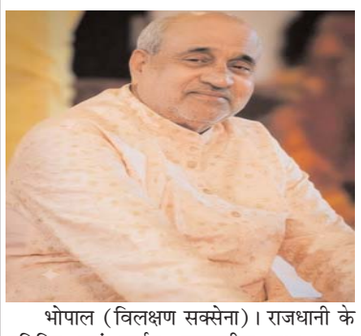

भोपाल (विलक्षण सक्सेना)। राजधानी के प्रतिष्ठित एवं कर्मठ, लगनशील तथा सरल स्वभाव के धनी श्री शरद भारद्वाज का बुधवार, 15 जुलाई 2026 की प्रात: अचानक हृदयाघात होने से निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। समाज ने एक ऐसे व्यक्तित्व को खो दिया, जिन्होंने अपने स्नेह, सौम्यता और मानवीय मूल्यों से सभी के हृदय में विशेष स्थान बनाया था। गुरुवार, 16 जुलाई 2026 को उनकी अंतिम यात्रा उनके निज निवास नेहरू नगर, भोपाल से पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ भदभदा विश्राम घाट के लिए निकाली गई। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में स्वजन, मित्र, समाजसेवी, पत्रकार, साहित्यकार तथा नर्मदीय ब्राह्मण समाज के वरिष्ठजन शामिल हुए और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। भदभदा विश्राम घाट पर वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। उनके सुपुत्र जयंत भारद्वाज (सागर) ने मुखाग्नि देकर पुत्र धर्म का निर्वहन किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी और उनके व्यक्तित्व एवं सामाजिक योगदान को स्मरण किया। परिजनों के अनुसार, 17 जुलाई 2026 को भदभदा विश्राम घाट से अस्थि-संचय कर पवित्र मां नर्मदा में विधि-विधान के साथ अस्थि विसर्जन किया जाएगा। श्री शरद भारद्वाज अपने पीछे ऐसा स्नेहिल और प्रेरणादायी जीवन छोड़ गए हैं, जिसकी स्मृतियां सदैव परिवार, मित्रों और समाज के हृदय में जीवित रहेंगी। उनका विनम्र व्यवहार, सेवा भाव और आत्मीयता उन्हें जानने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए सदैव प्रेरणा का स्त्रोत बनी रहेगी।

श्रद्धांजलि - एक मित्र, एक पिता, एक युग का अंत

प्रिय शरद अंकल,

आज यह लिखते हुए शब्द बार-बार साथ छोड़ रहे हैं। ऐसा लग रहा है जैसे केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि हमारे जीवन का एक पूरा अध्याय समाप्त हो गया हो। 01 जुलाई 1977 से शुरू हुई वह मित्रता, जो केवल मित्रता नहीं थी, बल्कि विश्वास, अपनापन, त्याग और प्रेम का ऐसा रिश्ता थी, जिसकी मिसाल आज के समय में मिलना लगभग असंभव है। लगभग पाँच दशकों तक, हर दिन एक-दूसरे को पत्र लिखना... यह केवल आदत नहीं थी, यह एक-दूसरे के जीवन में हर दिन उपस्थित रहने का वचन था। समय बदलता गया, दुनिया बदलती गई, संवाद के साधन बदलते गए, लेकिन सुधाकर जोशी और शरद भारद्वाज की दोस्ती कभी नहीं बदली। आज जब आप नहीं हैं, तो सबसे बड़ा खालीपन शायद मेरे पापा के जीवन में आया है। क्योंकि उन्होंने केवल अपना मित्र नहीं खोया, बल्कि अपने जीवन का वह हिस्सा खो दिया है, जिसके साथ उन्होंने अपनी हर खुशी, हर दुख, हर संघर्ष और हर सफलता साझा की थी। आपने जीवन में जितने संघर्ष किए, उतने शायद बहुत कम लोग कर पाते हैं। आपने अपने बच्चों सागर भैया और गौरी के लिए जो किया, वह किसी साधारण पापा के बस की बात नहीं थी। आपने केवल पापा का नहीं, बल्कि माँ का भी हर कर्तव्य निभाया। उनकी परवरिश में आपने अपने हर सुख, हर आराम और शायद अपनी कई इच्छाओं का भी त्याग किया। आपने कभी उन्हें यह महसूस नहीं होने दिया कि उनके जीवन में किसी चीज़ की कमी है।

एक पापा के रूप में आपने उन्हें संस्कार दिए, हिम्मत दी, आत्मविश्वास दिया और सबसे बड़ी बात—बिना किसी शिकायत के अपना पूरा जीवन उनके नाम कर दिया। आपने यह साबित कर दिया कि पापा होना केवल एक रिश्ता नहीं, बल्कि जीवनभर का निस्वार्थ समर्पण है। मेरे लिए भी आप केवल शरद अंकल नहीं थे। आप मेरे लिए पिता समान थे। आपका स्नेह, आपका अपनापन और आपका आशीर्वाद हमेशा मुझे अपने परिवार का हिस्सा होने का एहसास कराता था। आज ऐसा लग रहा है जैसे मैंने भी अपने जीवन का एक अभिभावक खो दिया है। आपकी जगह हमारे जीवन में कोई कभी नहीं ले सकता।

आप हमारे लिए अपूरणीय हैं, और हमेशा रहेंगे। आज सोचती हूँ कि क्या कोई दोस्ती इतनी गहरी भी हो सकती है कि लगभग पचास वर्षों तक हर दिन एक-दूसरे को पत्र लिखे जाएँ? उन पत्रों में केवल शब्द नहीं होते होंगे... उनमें जीवन बसता होगा। उनमें एक-दूसरे की चिंता, सलाह, हौसला, हँसी, आँसू और अनगिनत यादें होती होंगी। वे पत्र केवल कागज़ नहीं थे, वे दो आत्माओं के बीच का अटूट सेतु थे। आज वह सिलसिला रुक गया। शायद आज पहली बार ऐसा दिन आया है जब मेरे पापा अपने सबसे प्रिय मित्र को पत्र नहीं लिख पाएँगे... या शायद लिखेंगे भी, लेकिन उसका उत्तर कभी नहीं आएगा। इस विचार मात्र से ही मन भर आता है। शरद अंकल, आपने अपने पीछे केवल यादें नहीं छोड़ीं, बल्कि जीवन जीने का एक आदर्श छोड़ा है। आपने सिखाया कि रिश्ते निभाए कैसे जाते हैं, मित्रता को जीवनभर कैसे जिया जाता है और अपने बच्चों के लिए बिना किसी अपेक्षा के कैसे जिया जाता है।

आज आप भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन आपकी बातें, आपकी मुस्कान, आपका स्नेह और आपकी यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी। आपके लिखे हुए पत्र आने वाली पीढ़ियों को यह बताएँगे कि सच्ची मित्रता कैसी होती है। वे पत्र इतिहास हैं, भावना हैं और उस दौर की अमूल्य धरोहर हैं, जहाँ रिश्ते समय से नहीं, दिल से निभाए जाते थे। पापा के लिए यह क्षति शब्दों से कहीं बड़ी है। ईश्वर उन्हें यह असहनीय दुख सहने की शक्ति दें। और सागर भैया तथा गौरी को भी यह साहस दें कि वे अपने पापा के दिखाए हुए रास्ते पर चलें और हमेशा गर्व से कह सकें कि उन्हें ऐसे पापा मिले थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन केवल उनके लिए जी दिया।

कहते हैं कि अच्छे लोग कभी मरते नहीं, वे अपनी यादों, अपने संस्कारों और अपने कर्मों में हमेशा जीवित रहते हैं।

आज से आसमान में एक नया सितारा जुड़ गया है। वह सितारा आप हैं, शरद अंकल। आप अब हमारी आँखों से ओझल ज़रूर हो गए हैं, लेकिन हमारे दिलों के आकाश में हमेशा चमकते रहेंगे। जब भी हम आपको याद करेंगे, जब भी आपके लिखे हुए पत्रों को पढ़ेंगे, जब भी आपकी सीख और आपका स्नेह याद आएगा, हमें लगेगा कि आप कहीं गए नहीं... बस एक सितारा बनकर ऊपर से हम सबको देख रहे हैं और अपना आशीर्वाद दे रहे हैं। आप हमारे जीवन में अपूरणीय थे, हैं और हमेशा रहेंगे।

आप भी हमेशा जीवित रहेंगे—
हर उस पत्र में,
हर उस याद में,
हर उस मुस्कान में,
मेरे पापा की हर धड़कन में,
सागर भैया और गौरी की हर सफलता में,
और हम सभी के दिलों में उस चमकते हुए सितारे की तरह, जिसकी रोशनी कभी कम नहीं होगी।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि। ऊँ शांति।

राधिका जोशी पुत्री श्री सुधाकर जोशी
इन्दौर (मध्यप्रदेश)

दस्तक अभियान के अंतर्गत चिन्हित सभी बच्चों का शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित किया जाए : कलेक्टर श्री सिंह

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम खरसोद खुर्द में दस्तक अभियान के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया

उज्जैन,(ए.)। जिले में संचालित दस्तक अभियान के अंतर्गत गुरुवार को बड़नगर विकासखंड के ग्राम खरसोद खुर्द में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने अभियान के क्रियान्वयन का निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एक वर्षीय बालक रूद्राक्ष कौशल को स्वयं विटामिन-ए की खुराक पिलाई तथा परिवारों को ओआरएस (ORS) का वितरण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने अभियान के दो दिवस की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं मैदानी अमले से लक्ष्य के अनुरूप बच्चों तक पहुंच, घर-घर भ्रमण, विटामिन-ए, ओआरएस वितरण तथा अन्य स्वास्थ्य

सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि दस्तक अभियान के अंतर्गत चिन्हित सभी बच्चों का शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित किया जाए तथा कोई भी पात्र बच्चा अभियान के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि दस्तक अभियान बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी विशेष रुचि एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समयावधि में अभियान के सभी लक्ष्यों की प्रभावी पूर्ति सुनिश्चित करें। साथ ही क्षेत्र में सतत निगरानी रखते हुए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

उल्लेखनीय है कि दस्तक अभियान आगामी 31 अगस्त तक चलाया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट, एसडीएम बड़नगर, तहसीलदार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. वसनार अजनार, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. आदित्य माथुर, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती किरण मंडलोई सहित स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्वालियर (ए.)। जिले के सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों में बच्चों के मेंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन एवं आधार पंजीयन के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की पहल पर विशेष आधार शिविर लगाए जा रहे हैं।

बैंकॉक में समुद्र में डूबने से उज्जैन के सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत, शव आने में लग सकता है एक सप्ताह

उज्जैन (ए.) । मध्य प्रदेश के उज्जैन निवासी एक युवक की थाईलैंड के बैंकॉक में समुद्र में डूबने से मौत हो गई। युवक की पहचान अर्पित नामदेव के रूप में हुई है। स्थानीय स्तर पर कानूनी प्रक्रिया और पुलिस जांच चलने के कारण उनका शव भारत लाने में करीब एक सप्ताह का समय लग सकता है।परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार अर्पित नामदेव पुणे स्थित एक सॉफ्टवेयर कंपनी में कार्यरत थे। कंपनी के आधिकारिक टूर के तहत वह अपने सहकर्मियों के साथ थाईलैंड गए थे। इसी दौरान समुद्र में नहाने के समय हादसा हो गया, जिसमें उनकी जान चली गई।अर्पित पिछले कुछ वर्षों से अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ पुणे में रह रहे थे। उनके पिता रामेश्वर नामदेव उज्जैन कलेक्टर कार्यालय में सहायक के पद पर कार्यरत हैं। अर्पित के ताऊ शंकरलाल नामदेव ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद रामेश्वर नामदेव तत्काल पुणे पहुंचे और कंपनी के अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। बेटे की मौत की पुष्टि होने के बाद उन्होंने परिवार को इसकी सूचना दी। बुधवार को वह अपनी बहू और दोनों पोतियों को पुणे से लेकर उज्जैन के लिए रवाना हो गए।परिवार का कहना है कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि थाईलैंड से अर्पित का शव भारत कब तक लाया जाएगा।

सतना जिले में बरुआ नदी के पुराने पुल से नीचे गिरी एंबुलेंस, डिलीवरी केस लेने जा रहे ड्राइवर समेत दो घायल

सतना, (ए.) । मध्य प्रदेश के सतना जिले के उचेहरा क्षेत्र में गुरुवार तड़के एक एंबुलेंस बरुआ नदी के पुराने पुल से अनियंत्रित होकर नीचे गिर गई। हादसे में ड्राइवर सहित दो लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस पुल पर सुरक्षा रेलिंग न होने के कारण पहले भी कई बड़े हादसे हो चुके हैं। जानकारी के अनुसार, सतना के उचेहरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुरुवार तड़के एक

एंबुलेंस अचानक अनियंत्रित होकर बरुआ नदी के पुराने पुल से सीधे नीचे जा गिरी। घटना की जानकारी मिलते ही उचेहरा थाना पुलिस और स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने करीब डेढ़ घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त एंबुलेंस को नदी से बाहर निकाला। एंबुलेंस ड्राइवर शुभम परोहा पुत्र स्वर्गीय कृष्ण परोहा, निवासी बंदरहा, उचेहरा से भटगवां गांव में एक डिलीवरी केस (गर्भवती महिला) को लेने जा रहे थे, तभी पुल पर अचानक एंबुलेंस के ब्रेक फेल हो गए और वाहन अनियंत्रित होकर रेलिंग विहीन पुल से नीचे गिर गया। हादसे में ड्राइवर समेत दो लोग घायल हुए हैं, जिन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उचेहरा भेजा गया, जहां फिलहाल उनका उपचार जारी है और दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। बता दें कि इस बरुआ पुल पर वाहन गिरने की यह लगातार तीसरी घटना है, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश है। इससे पहले उचेहरा अस्पताल के डॉक्टर डॉ. शशांक सेठिया की कार भी इसी पुल से नदी में गिर गई थी, जिसमें उनकी मौत हो गई थी। एक बाइक सवार युवक भी इसी जगह हादसे का शिकार हो चुका है।

ट्रक ने स्कूटी में टक्कर मारी एक की मौत दूसरा घायल

भिंड (ए.) भिंड राष्ट्रीय राजमार्ग-719 नयागांव थाना क्षेत्र में बीती रात तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार दो युवकों को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका एक पैर कट गया। हादसे के बाद ट्रक भी हाईवे पर पलट गया, जिससे करीब दो घंटे तक यातायात प्रभावित रहा।

जानकारी के अनुसार, नयागांव थाना क्षेत्र के ओझा गांव निवासी विजय पुत्र प्रहलाद जाटव और ईशु पुत्र पुजारी जाटव स्कूटी से गोहद की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे आलू से भरे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गया। हादसे में विजय की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, ईशु गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका एक पैर कट गया। गंभीर हालत में घायल को ग्वालियर रेफर किया सूचना मिलते ही नयागांव थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल को एंबुलेंस से पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए ग्वालियर रेफर कर मृतक का शव पीएम के बाद परिजनों को सौंप मामला दर्ज कर लिया है ।

भक्ति और उल्लास के बीच निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा, जयकारों से गूंजा शहर

गुना (ए.)। शहर में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य एवं विशाल रथ यात्रा पूरे धार्मिक उत्साह, श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई। लगातार पांचवें वर्ष आयोजित इस धार्मिक आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के दिव्य रथ के दर्शन किए तथा रथ खींचकर धर्म लाभ अर्जित किया। पूरे यात्रा मार्ग पर भगवान जगन्नाथ के जयकारों, भजन-कीर्तन और शंखनाद से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

रथ यात्रा का शुभारंभ दोपहर में गुलाबगंज कैन्ट स्थित हनुमान मंदिर से विधि-विधान के साथ हुआ। आकर्षक ढंग से सुसज्जित रथ पर भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा विराजमान रहे। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ रथ की रस्सियां थामकर यात्रा को आगे बढ़ाया। यात्रा में महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। कई श्रद्धालु भजनों की धुन पर नृत्य करते हुए चल रहे थे, जबकि बैंड-बाजों और ढोल की मधुर धुनों ने धार्मिक माहौल को और अधिक जीवंत बना दिया। रथ यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई आगे बढ़ी। विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया तथा आरती उतारी। जगह-जगह पेयजल, शरबत और प्रसाद की व्यवस्था भी की गई। मार्ग में श्रद्धालु जय जगन्नाथ के उद्घोष लगाते हुए भगवान की भक्ति में सराबोर नजर आए।

आयोजन राजीव सोनी मित्र मंडल एवं गीता मानस प्रचार समिति के तत्वावधान में संपन्न हुआ।

व्यापार समाचार

वनप्लस भारत समेत कई अन्य देशों में कर सकती है कारोबार बंद

नईदिल्ली, (आरएनएस)। दिग्गज स्मार्टफोन कंपनी वनप्लस को लेकर एक बार फिर नई चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कंपनी आने वाले समय में कुछ बड़े अंतरराष्ट्रीय बाजारों से अपना कारोबार बंद कर सकती है। बताया जा रहा है कि यह कदम उसकी मूल कंपनी ओप्पो की वैश्विक पुनर्गठन योजना का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, कंपनी की ओर से अब तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा या पुष्टि नहीं की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वनप्लस सबसे पहले अमेरिका और यूरोप के बाजारों से अपना कारोबार समेट सकती है। इसके बाद दूसरे देशों में भी इसी तरह के कदम उठाए जा सकते हैं। भारत में वर्ष 2027 के दौरान कंपनी के कारोबार पर असर पड़ सकता है। फिलहाल इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है और कंपनी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ऐसे में ग्राहक आधिकारिक जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। ओप्पो अपने स्मार्टफोन कारोबार में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है।इसके पीछे पुर्जों की बढ़ती कीमतें, वैश्विक कारोबारी चुनौतियां और दूसरे बाजारों की स्थिति को वजह माना जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि रियलमी के कारोबार में भी कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। हालांकि, इन योजनाओं को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है और सभी दावे रिपोर्ट पर आधारित बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट में पहली बार भारत का भी जिक्र किया गया है, जिससे यहां के ग्राहकों के बीच भी चर्चा तेज हो गई है।इससे पहले सिर्फ अमेरिका और यूरोप से बाहर निकलने की बातें सामने आई थीं। फिलहाल वनप्लस की ओर से भारत या दूसरे बाजारों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।अगर ऐसा होता है तो आने वाले समय में स्मार्टफोन बाजार की तस्वीर बदल सकती है।

सोना-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट, खरीदारी से पहले जान लें ताजा भाव

-वैश्विक बाजार में सुस्ती और मुनाफावसूली का असर; सोना 680 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,320 रुपये प्रति किलोग्राम हुई सस्ती

नई दिल्ली (आरएनएस) । सोने और चांदी के आभूषण खरीदने या इनमें निवेश की योजना बना रहे लोगों के लिए गुरुवार को राहत भरी खबर रही। 16 जुलाई 2026 को सर्राफा बाजार में दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों में कमजोरी तथा घरेलू बाजार में निवेशकों की मुनाफावसूली के कारण सोना और चांदी दोनों लाल निशान में कारोबार करते रहे।

अंतरराष्ट्रीय जिंस बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के दबाव से सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई। कारोबार के दौरान सोना 0.43 प्रतिशत यानी 17.40 डॉलर टूटकर 4,034.40 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इसका असर चांदी की कीमतों पर भी दिखाई दिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57.235 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार करती रही।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, भारतीय बाजार में 10 ग्राम सोने की औसत कीमत में 680 रुपये की

गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद सोने का औसत भाव घटकर 1,41,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। हालांकि, स्थानीय करों और अन्य शुल्कों के कारण विभिन्न शहरों में कीमतों में मामूली अंतर देखा जा सकता है।

सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। औद्योगिक क्षेत्रों से मांग कमजोर पड़ने के कारण चांदी 1,320 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई। इसके बाद सर्राफा बाजार में चांदी का भाव 2,18,690 रुपये से 2,19,800 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच रहा। दक्षिण भारत के चेन्नई और हैदराबाद जैसे शहरों में खुदरा मांग अपेक्षाकृत बेहतर रहने के कारण वहां चांदी के दाम अन्य शहरों की तुलना में कुछ अधिक बने हुए हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण हैं। अमेरिकी डॉलर की मजबूती से कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा है। इसके अलावा अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों को लेकर बनी अनिश्चितता के चलते बड़े निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का असर भी सर्राफा बाजार की धारणा पर पड़ा है। वहीं, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी भू-राजनीतिक और सैन्य तनाव के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव का माहौल बना हुआ है।

विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संकेतकों, डॉलर की चाल, कच्चे तेल की कीमतों तथा केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीतियों के आधार पर सोना और चांदी की कीमतों में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

इंस्टामार्ट ऐप से अब मिलेगा एलपीजी सिलेंडर, बेंगलुरु में नई सेवा की शुरुआत

नईदिल्ली, (आरएनएस)। त्वरित ऑनलाइन आपूर्ति मंच इंस्टामार्ट और हिंदुस्तान पेट्रोलियम निगम लिमिटेड (एचपीसीएल) ने संयुक्त रूप से रसोई गैस सिलेंडर की डिजिटल आपूर्ति सेवा शुरू की है। इसके तहत अब ग्राहक इंस्टामार्ट मोबाइल अनुप्रयोग के माध्यम से घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर का ऑर्डर दे सकेंगे। फिलहाल इस सुविधा की शुरुआत पायलट परियोजना के रूप में बेंगलुरु के सुब्रमण्यपुरा क्षेत्र से की गई है।कंपनी के अनुसार इस सेवा का उद्देश्य उपभोक्ताओं तक रसोई गैस की तेज, सरल और सुविधाजनक आपूर्ति सुनिश्चित करना है। यह सुविधा विशेष रूप से छात्रों, नौकरीपेशा लोगों, किराएदारों, छोटे परिवारों तथा अस्थायी आवास में रहने वाले उपभोक्ताओं के लिए उपयोगी मानी जा रही है।इस योजना के तहत ऐसे लोग भी रसोई गैस सिलेंडर प्राप्त कर सकेंगे, जिनके पास पहले से घरेलू एलपीजी कनेक्शन नहीं है। पहली बार सिलेंडर लेने वाले ग्राहकों को पहचान सत्यापन और अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। इसके बाद भविष्य में सिलेंडर भरवाने की प्रक्रिया सामान्य रीफिल के रूप में मानी जाएगी। नई सेवा के अंतर्गत ग्राहकों को एचपीसीएल का 10 किलोग्राम क्षमता वाला कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर तथा 5 किलोग्राम क्षमता वाला धातु निर्मित सिलेंडर चुनने का विकल्प मिलेगा। कंपोजिट सिलेंडर पारंपरिक सिलेंडरों की तुलना में हल्का है, इसमें जंग नहीं लगती और इसकी पारदर्शी बाहरी सतह के कारण सिलेंडर में शेष गैस का स्तर भी आसानी से देखा जा सकता है। कंपनी का कहना है कि यह सिलेंडर छोटे घरों, फ्लैटों तथा अतिरिक्त गैस सिलेंडर रखने की आवश्यकता वाले परिवारों के लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इंस्टामार्ट के माध्यम से प्राप्त सभी रसोई गैस सिलेंडर के ऑर्डर हिंदुस्तान पेट्रोलियम के अधिकृत वितरक नेटवर्क के जरिए पूरे किए जाएंगे।

पेट्रोल निर्यात शुल्क में कटौती, डीजल और विमान ईंधन पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में भारी बढ़ोतरी

आज से लागू हुई नई दरें; डीजल पर 15.50 रुपये और विमान ईंधन पर 14.50 रुपये प्रति लीटर हुआ निर्यात शुल्क, घरेलू ईंधन कीमतों पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव के बीच केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात शुल्क में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार डीजल और विमान ईंधन (विमानन टरबाइन ईंधन) के निर्यात पर लगने वाले विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जबकि पेट्रोल के निर्यात शुल्क में आंशिक कमी की गई है। संशोधित दरें गुरुवार, 16 जुलाई से प्रभावी हो गई हैं।

नई व्यवस्था के तहत डीजल के निर्यात पर लगने वाला विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 8.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 15.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इस प्रकार डीजल पर सात रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है।

इसी प्रकार विमानन टरबाइन ईंधन के निर्यात पर लगने वाला शुल्क 7.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 14.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है।

वहीं, पेट्रोल निर्यातकों को राहत देते हुए पेट्रोल पर लगने वाला विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क चार रुपये प्रति लीटर से घटाकर 2.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है।

सरकार का यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय बाजार में बदलते परिशोधन लाभांश (रिफाइनिंग मार्जिन) और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है और तेल परिशोधन कंपनियों के लाभ में भी वृद्धि दर्ज की गई है।

केंद्र सरकार कच्चे तेल की कीमतों और परिशोधन लाभांश की नियमित अंतराल पर समीक्षा करती है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे तथा निर्यात के माध्यम से होने वाले अतिरिक्त लाभ पर उपयुक्त कर वसूला जा सके।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय का सबसे अधिक प्रभाव उन निजी तेल परिशोधन कंपनियों पर पड़ेगा, जो बड़ी मात्रा में डीजल और विमान ईंधन का निर्यात यूरोप तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में करती हैं।

हालांकि, आम उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि इन संशोधित निर्यात शुल्कों का देश के भीतर पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ेगा।

महंगाई पर सख्त रुख, फेड चेयरमैन केविन वार्श ने पांच टास्क फोर्स बनाने का ऐलान

वाशिंगटन (आरएनएस)। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वार्श ने कहा है कि महंगाई एक विकल्प है और वादा किया है कि उनके नेतृत्व में लगातार उच्च कीमतों में बढ़ोतरी जारी नहीं रहेगी। इससे यह संकेत मिलता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भू-राजनीतिक तनाव और दूसरे आर्थिक खतरे को लेकर अनिश्चितता के बावजूद कीमतों में स्थिरता वापस लाना अमेरिकी सेंट्रल बैंक की सबसे बड़ी प्राथमिकता बनी हुई है। पदभार संभालने के सात सप्ताह बाद पहली बार बुधवार (स्थानीय समयानुसार) सीनेट बैंकिंग समिति के समक्ष अपनी अर्धवार्षिक मौद्रिक नीति सुनवाई में पेश हुए फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श ने कहा कि केंद्रीय बैंक महंगाई को फिर से नियंत्रण में लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से महंगाई निर्धारित लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है।वॉर्श ने सांसदों से कहा, जैसा कि मैं पहले भी कह चुका हूं और आज भी कह रहा हूं, महंगाई एक विकल्प है। हमारी समिति के सदस्य लगातार ऊंची महंगाई को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे और हम कीमतों में स्थिरता बहाल करने के लिए पूरी दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने अपनी हाल की मीटिंग में मौजूदा आर्थिक हालात का आकलन करने के बाद फेडरल फंड्स रेट को 3.5 से 3.75 फीसदी पर बिना बदलाव के छोड़ने का फैसला किया।वार्श ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मजबूत बताया और कहा कि आर्थिक गतिविधि अच्छी रफ्तार से बढ़ रही है,

घरों का कंजम्पशन ठीक-ठाक बना हुआ है और इस साल मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट मजबूत हुआ। उन्होंने कहा कि हाउसिंग सेक्टर पीछे चल रहा है, जबकि व्यवसायिक निवेश, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर में अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत ड्राइवर बनकर उभरा है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

दृढ़ता का प्रशंसनीय उदाहरण

अमेरिका में जजों के बहुमत ने महसूस किया कि कोई संवैधानिक व्यवस्था उस स्थिति में स्थिर ढंग से नहीं चल सकती, अगर गणराज्य की मूलभूत इकाई- नागरिक- की परिभाषा मनमाने ढंग से तय की जाती हो।

जिस समय भारत में नागरिकता के प्रमाण-पत्र को लेकर जानबूझकर अनिश्चय पैदा कर दिया गया है, अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने दृढ़ता का प्रशंसनीय उदाहरण पेश किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने नागरिकता के इस नियम को बदलने का प्रयास किया कि अमेरिकी भूमि पर जन्मा हर व्यक्ति वहां का नैसर्गिक नागरिक है। सुप्रीम कोर्ट ने अब ट्रंप के इस आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि नागरिकता की अवधारणा को डेढ़ सौ साल पहले संवैधानिक रूप से स्पष्ट कर दिया गया था, जिसे मनमाने ढंग से नहीं बदला जा सकता। हालांकि इस प्रश्न पर अमेरिका में उभरे तीखे राजनीतिक मतभेद और सामाजिक ध्रुवीकरण की छाया कोर्ट पर भी पड़ी। उसने 5-4 के बहुमत से ये फैसला सुनाया।

यानी चार जजों ने मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन के विदेशी विद्वेष से भरे एजेंडे के तहत लिए ट्रंप के निर्णय का पक्ष लिया। फिर भी इस निर्णय ने अमेरिकी न्यायपालिका में मौजूद स्वतंत्र चिंतन और संवैधानिक भावना के पक्ष में खड़े होने की भावना की पुष्टि की है। जजों के बहुमत ने महसूस किया कि कोई संवैधानिक व्यवस्था उस स्थिति में स्थिर ढंग से नहीं चल सकती, अगर गणराज्य की मूलभूत इकाई- नागरिक- की परिभाषा मनमाने ढंग से तय की जाती हो। इसलिए उसने 1868 में पारित 14वें संविधान की भावना के मुताबिक नागरिकता के नियमों में हेरफेर की कोशिश को नाकाम कर दिया है।

संयोगवश ये फैसला उस समय आया है, जब भारत में भी नागरिकता की निर्धारित परिपाटी को मनमाने नियमों के जरिए चुनौती दी गई है। पश्चिम बंगाल में मोदी सरकार के विरोधी रहे एक अंग्रेजी अखबार के पूर्व संपादक का पासपोर्ट वोटर लिस्ट में नाम ना होने के आधार पर रीन्यू ना करने की घटना ने ऐसे मनमाने में निहित खतरे को स्पष्ट कर दिया है। संबंधित व्यक्ति का वोटर लिस्ट से नाम एसआईआर के दौरान हटा, जिसके बारे में एक धारणा यह है कि ये पूरी प्रक्रिया मनमाने ढंग से अंजाम दी गई। क्या भारतीय न्यायपालिका से आज ये उम्मीद की जा सकती है कि वह नागरिकता के प्रश्न पर अमेरिकी कोर्ट जैसी दृढ़ता दिखाएगी?

इस विशाल पथ पर

बचपन से मुझे श्रीजगन्नाथ जी की अनेक प्रार्थनाएँ और भजन याद हैं। स्कूल और कॉलेज में पढ़ते समय मैं गीत गाया करती थी। जगन्नाथ जी का भजन गाकर मैं खुश होती थी। महाप्रभु को अपने निकट पाती थी। अब गीत नहीं गाती। किंतु साँझ-सबेरे महाप्रभु का स्मरण करके उनके भजन गुनगुना लेती हूँ। मुझे लगता है कि महाप्रभु हर वक्त मेरे आस-पास ही रहते हैं। विपदा-आपदा में मेरी मदद करते हैं। भक्तकवि मधुसूदन राव का गीत आज भी मैं मन ही मन गाती हूँ:-

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

मेरे पास दिन-रात रहते हैं
महाप्रभु परमेश्वर,

यह बात याद कर हृदय में पूजूँगा उन्हें निरंतर।

मैं कुछ समझने-बूझने की उम्र में पहुंचने तक जगन्नाथ जी को जानने लगी थी। हमारे घर में अक्सर जगन्नाथ जी की चर्चा होती थी। गाँव के हर टोले में उनकी महिमा का बखान होता था। जब मैं गाँव के स्कूल मंर पढ़ती थी, भक्त सालबेग की आहे नीड़ो शोइड़ो प्रार्थना गाई जाती थी। स्कूल के शिक्षक जगन्नाथ जी के बारे में तरह-तरह की बातें कहा करते थे। पुरी में बड़ा मंदिर है, इतना बड़ा मंदिर और कहीं नहीं है! मंदिर में श्रीजगन्नाथ जी अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ पूजे जाते हैं। जगन्नाथ जी का रंग काला है, उनकी आँखें गोल-गोल हैं। सुभद्रा जी का रंग पीला है, बलभद्र है चाँदनी फूल की तरह सफेद। वह छवि एक बार देख लेने के बाद फिर भुलाए नहीं भूलती। सर यह भी कहते थे, जगन्नाथ हैं 'महाप्रभु', उनका प्रसाद महाप्रसाद है, उनका मंदिर बड़ा मंदिर है, उनका पथ विशाल पथ (बोड़ो दांडो) है, और उनका समुद्र महोदधि है। मयूरभंज के उपरबेड़ा गाँव से पुरुषोत्तम क्षेत्र पुरी की दूरी बहुत थी! भला देखने का अवसर मुझे कहाँ मिलता। किंतु मैं भुवनेश्वर गई और मैंने यूनिट-2 के गर्ल्स हाईस्कूल में नाम लिखवाया। हॉस्टल में रहने लगी। उसके बाद मैंने पुरी, भुवनेश्वर और कोणार्क देखा। पहली बार जगन्नाथ दर्शन की स्मृति मेरे मन से मिटी नहीं है। बहुत बड़ा मंदिर, बड़े-बड़े देवता! भला ये सब भुलाए जा सकते हैं? क्या भुलाई जा सकती है उनकी रथयात्रा? बारह महीने में तेरह पर्व-त्योहार मनाए जाते

हैं श्रीक्षेत्र में। लेकिन रथयात्रा की छटा तो निराली होती है। पूरे वर्ष भक्तगण यहाँ आकर महाप्रभु का दर्शन करते हैं मंदिर के अंदर जाकर। किंतु वर्ष में एक बार महाप्रभु अपने भव्य मंदिर से बाहर विशाल पथ (बोड़ो दांडो) पर आते हैं। भक्तों को दर्शन देते हैं। तीन रथ पर तीन ठाकुर बैठकर चक्रराज सुदर्शन के साथ गुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा करते हैं। वहाँ सात दिनों तक रहकर वापस लौट आते हैं। महाप्रभु का यह महापर्व अतुलनीय है। बचपन से मैं जगन्नाथ जी की भक्त हूँ। वे सर्वदा मेरे परम आराध्य हैं। मेरे जीवन के उत्थान और पतन के वे नियंता हैं। मेरे दुख-सुख के कर्ता-धर्ता हैं। जीवन में मैंने बहुत कष्ट भी सहे हैं। उन सब दारुण दुखों से उबारा है मुझे महाबाहु ने। मैं उनकी बेटी जो हूँ! राष्ट्रपति पद के लिए मुझे उम्मीदवार बनाने की घोषणा होते ही मैंने महाप्रभु का स्मरण किया। इतनी ऊँचाई पर मुझे ले जा रहे हो प्रभु, पग-पग पर मुझे सहारा देना, सदा मेरे पास रहना-यह मेरी प्रार्थना थी। उन्होंने मेरी प्रार्थना सुनी, सुन भी रहे हैं। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान रथयात्रा का महापर्व आया। परंतु पुरी जाना संभव नहीं था। रथयात्रा के दिन बड़े भोर में दिल्ली के हौजखास में बने जगन्नाथ मंदिर जाकर मैंने महाप्रभु के दर्शन किए। आनंद से भर गया मन। उनका आशीष मुझ पर बरस गया। बड़े आत्मविश्वास से मैंने अपना नामांकन-पत्र दाखिल किया। अत्यंत उत्साह से चुनाव कैंपेन में भाग लिया। 25 जुलाई, 2022 को पार्लियामेंट के सेंट्रल हॉल में शपथ लेने जाते समय मैं जगन्नाथ जी से प्रार्थना करते-करते जा रही थी। उनके आशीर्वाद से मेरा शपथ-पाठ खूब अच्छी तरह संपन्न हुआ। राष्ट्रपति के रूप में मेरे प्रथम भाषण के समय मानो वे मेरे साथ ही थे।

पुरी जाकर महाप्रभु के दर्शन के लिए मेरा मन व्याकुल हो उठा। दिन बीतते चले गए, लेकिन मैं पुरी नहीं जा सकी। मुझे लगा कि बिना उनके बुलावे के कोई कैसे उनके पास जा सकता है! मैंने मन ही मन उनसे कहा, मेरा कोई दोष हो तो क्षमा करो प्रभु, मुझे पुरी बुलाओ, दर्शन दो। वे भाव के ठाकुर हैं। मेरा भाव कैसे नहीं समझते? कुछ ही दिनों में पुरी जाने का कार्यक्रम तय हो गया। उस दिन 10 नवंबर, 2022 था। पुरी में अवतरण करने के बाद कार-केड चल पड़ा श्रीमंदिर की ओर। कार-केड पुरी के प्रशस्त पावन-पथ पर पहुँचते ही मेरे अंदर एक अपूर्व भावना का संचार हुआ। यह विशाल-पथ महाप्रभु जगन्नाथ का ही है। यहाँ क्या आवश्यकता है प्रोटोकॉल की? पुरी तो क्षेत्रराज के रूप में प्रसिद्ध है। महाप्रभु देवाधिदेव हैं। और अधिक कुछ सोचने से पहले मैंने गाड़ी रुकवाई। मेरी गाड़ी रुकने पर पीछे आ रही सारी गाड़ियाँ रुक गईं। किसी के कुछ समझने से पहले मैंने पावन-पथ पर नंगे पैर चलना शुरू कर दिया। श्रीमंदिर लगभग दो किलोमीटर दूर था। मंदिर के नीलचक्र और पतित पावन-ध्वज को देखते हुए मैं आगे बढ़ती चली गई। पथ के दोनों किनारों पर खड़े बच्चों, महिलाओं, युवा-छात्रों और बुजुर्गों को नमस्कार भी करती जा रही थी। मेरा ध्यान था जगन्नाथ जी के पास। श्रीमंदिर के सिंहद्वार के पास पहुंचते ही मैं स्थिर नहीं रह पाई। तब तक मैं खुद को भूल चुकी थी। पावन-पथ की धूल में साष्टांग लेटकर मैंने महाप्रभु को प्रणाम किया। उसके बाद मंदिर में प्रवेश। गर्भगृह में पहुंचकर चतुर्धा मूर्तियों का दर्शन करते ही मैं आनंद से अभिभूत हो गई। महाप्रभु जगत के नाथ हैं, अनाथों के नाथ हैं। जगत के लोगों का दु:ख दूर करने के लिए वे सदा तत्पर रहते हैं। इसलिए उनकी गोल-गोल आँखों की पलकें कभी नहीं झपकतीं। उनके लिए छोटा-बड़ा कोई नहीं है। वे सबको सामान दृष्टि से देखते हैं, समता के मंत्र से सबको अभिमंत्रित करते हैं। उनकी करुणा पाकर ही मैंने समाज के हर वर्ग की सेवा में स्वयं को समर्पित किया है। गोल-गोल आँखों वाले की ओर देखते हुए करबद्ध होकर बोली, आपके आशीर्वाद से मेरा यह समर्पण भाव हमेशा बना रहे, हे महाबाहु। देश-दुनिया पर अपनी छत्र-छाया बनाये रखें, हे कृपानिधि! यह कहते हुए मैं भक्तिभाव से विह्वल हो उठी।

लेखिक भारत की राष्ट्रपति हैं

15 रुपये लीटर पेट्रोल का जुमला? : इथेनॉल नीति पर जवाबदेही का समय

भूपेन्द्र गुप्ता देश को इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल अपनाने के लिए प्रेरित करते समय जनता के सामने एक आकर्षक भविष्य की तस्वीर रखी गई थी। यह कहा गया कि इथेनॉल आधारित ईंधन व्यवस्था आने पर पेट्रोल की कीमतें 15 रुपये प्रति लीटर तक आ सकती हैं। वर्षों बाद वास्तविकता यह है कि उपभोक्ता आज भी ऊंची कीमत पर पेट्रोल खरीद रहा है और अब उसे यह भी बताया जा रहा है कि श्व20 ईंधन के कारण कुछ वाहनों में माइलेज 3-5 प्रतिशत तक घट सकता है। स्वयं पेट्रोलियम मंत्रालय ने माना है कि कुछ वाहनों में ईंधन दक्षता पर प्रभाव पड़ सकता है।

यह सर्वविदित है इथेनॉल की कैलोरिफिक वैल्यू (ऊर्जा क्षमता) पेट्रोल से लगभग 30-35 प्रतिशत कम है, तो समान मात्रा में ईंधन से मिलने वाली ऊर्जा भी कम होगी। आधुनिक E20-अनुकूल इंजन इस अंतर की कुछ भरपाई कर सकते हैं, लेकिन भौतिकी का यह सिद्धांत नहीं बदलता कि इथेनॉल में प्रति लीटर ऊर्जा कम होती है। इसलिए माइलेज पर कुछ प्रभाव पड़ना तकनीकी रूप से अस्वाभाविक नहीं है। हाल के दिनों में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भी कहा है कि इथेनॉल की कम कैलोरिफिक वैल्यू के कारण माइलेज पर सीमित असर पड़ सकता है, हालांकि उन्होंने वाहन क्षति के दावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया बताया।सरकार का दूसरा तर्क है कि E20 को व्यापक परीक्षण के बाद लागू किया गया और आधुनिक वाहनों में इससे सामान्य रूप से इंजन क्षति का कोई प्रमाणित पैटर्न नहीं मिला। उद्योग संगठनों और सरकार का कहना है कि E20 के लिए परीक्षण किए गए हैं तथा वारंटी भी लागू रहेगी।

फिर भी उपभोक्ता के सामने कुछ वैध प्रश्न बने रहते हैं।

यदि इथेनॉल मिश्रण से तेल आयात कम होता है, तो उसका आर्थिक लाभ पेट्रोल की खुदरा कीमत में क्यों नहीं दिखाई देता? यदि लाखों पुराने वाहन मूल रूप से E20 के लिए डिज़ाइन नहीं किए गए थे, तो उनके लिए अलग संक्रमण योजना क्यों नहीं बनाई गई? यदि पेट्रोल पंपों और वाहन निर्माताओं द्वारा ईंधन प्रणाली की देखभाल संबंधी अतिरिक्त सावधानियां बताई जाती हैं, तो क्या उपभोक्ता को पहले से व्यापक और स्पष्ट जानकारी दी गई? आज नीति का मूल्यांकन केवल पर्यावरणीय या कृषि लाभ से नहीं, बल्कि उपभोक्ता अनुभव से भी होगा। यदि जनता को अधिक कीमत भी चुकानी पड़े, माइलेज में कमी का अनुभव भी हो और भविष्य में रखरखाव की अतिरिक्त चिंता भी उठानी पड़े, तो यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि सरकार उन शुरुआती दावों और वर्तमान परिणामों के बीच के अंतर का स्पष्टीकरण दे। सरकार यह भी बताये कि ईथेनाल

निर्माण में खर्च होने वाले अतिशय पानी के कारण भविष्य में पानी के संभावित संकट पर उसकी क्या नीति है? जल संकट से होने वाले नुकसान की भरपाई कैसे होगी?

भारत को वैकल्पिक ईंधनों की आवश्यकता है। ऊर्जा सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है और किसानों के लिए नए बाज़ार भी। लेकिन किसी भी ऊर्जा परिवर्तन की सफलता का आधार केवल नीति नहीं, बल्कि पारदर्शिता, वैज्ञानिक संवाद और उपभोक्ता के प्रति जवाबदेही है।

इथेनॉल नीति पर एक और प्रश्न पारदर्शिता का है। आश्चर्य यह है कि इस विषय पर सबसे अधिक सार्वजनिक पक्षधरता अक्सर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी करते दिखाई देते हैं, जबकि यह नीति मूलत: पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र से जुड़ी है। यदि किसी मंत्री या उनके परिवार का जैव-ईंधन क्षेत्र से कोई व्यावसायिक संबंध सार्वजनिक रूप से मौजूद है, तो सरकार को स्वयं आगे बढ़कर यह स्पष्ट करना चाहिए कि नीति-निर्माण, निर्णय प्रक्रिया और निजी व्यावसायिक हितों के बीच किसी प्रकार का हितों का टकराव नहीं है। लोकतंत्र में केवल निष्पक्षता ही नहीं, बल्कि निष्पक्षता का दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है।सरकार को अब तीन स्पष्ट कदम उठाने चाहिए—पहला, इथेनॉल नीति का स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट सार्वजनिक किया जाए; दूसरा, पुराने और नए वाहनों पर वास्तविक प्रभाव का विस्तृत डेटा जारी किया जाए; और तीसरा, यह बताया जाए कि जिन आर्थिक लाभों का वादा किया गया था, वे आम उपभोक्ता तक कब और कैसे पहुंचेंगे। ऊर्जा परिवर्तन तभी सफल माना जाएगा जब उसके लाभ किसानों, पर्यावरण और उपभोक्ता—तीनों तक समान रूप से पहुंचें।

(विचार-मंथन) दो पाटों के बीच फंसा भारत?

सनत जैन

भारत पिछले कुछ वर्षों से आंख बंद करके अमेरिका और इजरायल के पक्ष में खड़ा हुआ है। अमेरिका और इजरायल के कारण भारत की, दुनिया के अन्य देशों के साथ दूरियां बढ़ती जा रही है। अमेरिका और इजरायल ने भारत का भरपूर लाभ लिया। किसी भी मौके पर भारत का वैसा साथ नहीं दिया, जैसा भारत ने अमेरिका और इजराइल का व्यापारिक, सामरिक एवं आर्थिक मामलों में साथ दिया है। हाल ही में अमेरिका एक नया प्रस्ताव लेकर आ रहा है। जिसमें रूस से तेल खरीदी करने पर 100 फ़ीसदी टैरिफ भारत पर लगाने का प्रस्ताव है। पहले अमेरिका ने भारत को धमकाने के लिए 500 फ़ीसदी टैरिफ लगाने की बात कही गई। इसके पहले भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर टैरिफ को लेकर भारी दबाव बनाया। अमेरिका के दबाव में भारत ने रूस और ईरान से तेल लेना बंद कर दिया। जिसके कारण भारत को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इसके अलावा अन्य मामलों में भी अमेरिका ने जिस तरह से भारत के ऊपर दबाव बनाया। ऑपरेशन सिंदूर पर दबाव डालकर सीज फायर कराया। रूस-यूक्रेन युद्ध में रुस से तेल आयात कर यूरोपीय देशों को निर्यात कराने में अमेरिका की बहुत बड़ी भूमिका थी। उसी को आधार बनाकर अब भारत के ऊपर टैरिफ लगाने जैसी कार्रवाई पर यही कहा जा सकता है। भारत अंतरराष्ट्रीय संबंधों और कूटनीतिज्ञ संबंधो में महाशक्तियों के बीच फंसकर रह गया है। भारत सरकार ने तात्कालिक व्यापारिक लाभ को देखते हुए विभिन्न देशों के साथ संबंधों को महत्ता दी। अमेरिका और इजरायल के साथ अपने संबंधों को बनाए रखने के लिए अन्य देशों के साथ दूरियां बढ़ाकर संबंधो को सतही बना लिया। भारत और चीन के बीच का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। भारत का निर्यात कम होता जा रहा है, भारत का आयात बढ़ता चला जा रहा है। चीन और पाकिस्तान के साथ हमारे सीमा संबंधी विवाद हैं। पड़ोसी देशों के साथ भारत के रिश्ते चीन के दबाव में अच्छे नहीं हैं। भारत के पड़ोसी देशों को चीन एक-एक करके अपने पाले में ले रहा है। ईरान से भारत कच्चा तेल आयात करता था, बदले में भारत से वस्तुओं का आयात और रुपए में ट्रांजैक्शन करता था। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका के दबाव में भारत ने संबंध एक तरह से दुनिया के अन्य देशों के साथ बहुत सतही बना लिए हैं।

हमें हक़ नहीं: शिक्षा में किसी का भविष्य खरीदने का

पूनम भाटिया

सोनम वांगचुक इस समय दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनका आरोप है कि हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं ने लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित किया है। वे जवाबदेही तय करने और शिक्षा व्यवस्था में ठोस सुधारों की माँग कर रहे हैं।

अभी तक उपलब्ध विश्वसनीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने और पुन: परीक्षा की घोषणा के बाद 37 दिनों के भीतर कम-से-कम 12 अभ्यर्थियों की आत्महत्या के मामले सामने आए। यह संख्या सरकारी आँकड़ा नहीं, बल्कि विभिन्न राज्यों में हुई घटनाओं का समाचार-पत्रों द्वारा किया गया संकलन है।

द इंडियन एक्सप्रेस की 2024 की जाँच के अनुसार, पिछले पाँच वर्षों में 15 राज्यों में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक के 41 दस्तावेज़ित मामले सामने आए, जिनसे लगभग 1.4 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए और 1.04 लाख से अधिक सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया बाधित हुई। यदि इसमें 2025-26 की प्रमुख घटनाएँ भी जोड़ दी जाएँ, तो एनईईटी-यूजी 2026, यूजीसी-नेट 2024, यूपी पुलिस कांस्टेबल 2024, यूपीपीएससी आरओ/एआरओ 2024, यूकेएसएसएससी और एचपीएससी सहायक प्रोफेसर सहित कई परीक्षाएँ रद्द या पुन: आयोजित करनी पड़ीं। कुछ मीडिया विश्लेषणों के अनुसार, पिछले सात वर्षों में 70 से अधिक बड़े पेपर लीक के मामलों से लगभग 1.7 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए। एक राष्ट्र तभी आगे बढ़ता है, जब उसकी शिक्षा व्यवस्था भरोसेमंद, सुलभ और न्यायपूर्ण हो। यदि परीक्षा बिकने लगे, अवसर छिनने लगें और मेहनत का मूल्य कम हो जाए, तो समाज की सबसे बड़ी पूँजी, उसका युवा निराशा का शिकार हो जाता है। शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सपनों, आत्मसम्मान और भविष्य की नींव है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा दायित्व निष्पक्षता और समान अवसर सुनिश्चित करना है।

आज का राशिफल

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज अधिकतम समय आप धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने से राहत मिलेगी। आज आपके चारों ओर का वातावरण सुखमय व खुशनुमा बना रहेगा।

वृषभ राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपकी हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज व्यक्तिगत मामलों को लेकर कुछ प्लानिंग होगी। साथ ही अनुभवी लोगों के सानिध्य में आपको सकारात्मक अनुभव मिलेंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे। आज सकारात्मक रहने से आप अपने कार्यों को बेहतरीन तरीके से अंजाम देंगे। आज किसी राजनीतिक अथवा प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। नई योजनाएं और प्रोजेक्ट शुरू करने का अनुकूल समय है। आज आप किसी बात को लेकर उलझन में रहेंगे, जिसे आप अपने किसी खास मित्र से शेयर भी करेंगे। आपको राहत मिलेगी।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है, जिसके लिये आपको ओवरटाइम करना पड़ेगा। आज व्यवस्थित दिनचर्या रखने से हर काम समय पर होगा। इससे आप अन्य गतिविधियों की तरफ भी ध्यान देने में सफल होंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही किसी समस्या का आज समाधान मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान रहेगा, जिससे पहचान का दायरा बढ़ेगा। व्यवहारिक सोच रखने से अपनी कार्यकुशलता में निखार आयेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज प्रॉपर्टी अथवा वाहन की खरीदारी से संबंधित कुछ योजनाएं बनाएंगे। आज बच्चों की पढ़ाई या करियर से जुड़ी समस्या का समाधान मिलने से सुकून मिलेगा। इस समय की गई यात्रा आज आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है। परिवार में सक्रियता और बातचीत का माहौल रहेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। दिन की शुरुआत अच्छे मूड से होगी। कुछ दिनों से चल रही समस्याएं आज माता-पिता की सलाह से खत्म होंगी। आज आप दूसरों के मामले में ज्यादा हस्तक्षेप करने से परहेज करें। दोस्तों के साथ मिलकर कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे। आज किसी से लिए गए उधार से छुटकारा मिलेगा।

धनु राशि:मकर राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम आज लाभदायक साबित होगा। लवमेट के लिये आज का दिन बढ़िया है। इस राशि के विवाह योग्य जातकों के लिए आज शादी का प्रस्ताव आ सकता है।

मकर राशि:मकर राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू कामकाज में लगेगा। आज बिजनेस का फैसला जल्दबाजी में न लें। अपने काम करने के तरीकों में थोड़ा बदलाव लाने की भी जरूरत है।

कुंभ राशि:कुंभ राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। आज निवेश करते समय किसी अनुभवी की सलाह लेना आपको भविष्य में लाभ दे सकता है।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज परिवार का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते हैं, वे आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। सोशल मीडिया और पब्लिक रिलेशन को बनाए रखें। इन संपर्कों से भविष्य में फायदा मिलेगा। लवमेट आज साथ में समय बिताएंगे। आज कार्यस्थल पर अपनी कार्य प्रणाली में परिवर्तन लाने से स्थिति में कुछ सुधार आएगा।

भूख और बर्बादी के बीच का भारत : थाली में सिमटा हमारा नैतिक पतन

अन्न की कीमत बाजार नहीं, भूख तय करती है , थाली में बचा हर दाना, किसी भूखे की अधूरी उम्मीद है

किसी भी भारतीय विवाह, पारिवारिक उत्सव या सामाजिक समारोह की सफलता का पैमाना आज भी व्यंजनों की विविधता और मेजबान की उदारता है। जितनी लंबी व्यंजन सूची, उतनी बड़ी प्रतिष्ठा; जितनी भरी थालियां, उतना अधिक सम्मान। पर इस चमक के पीछे एक खामोश सच है—कूड़ेदान में समाता अन्न। यह केवल बचा भोजन नहीं, बल्कि किसान का पसीना, प्रकृति के संसाधन, श्रमिक का श्रम और राष्ट्र की पूंजी का अपव्यय है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की खाद्य अपव्यय सूचकांक रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर वर्ष लगभग 68-78 मिलियन टन खाद्य पदार्थ घरेलू स्तर पर बर्बाद होते हैं, जबकि विवाह समारोहों में 10 से 20 प्रतिशत भोजन बिना स्वाद चखे ही फेंक दिया जाता है। यह केवल सामाजिक व्यवहार नहीं, आर्थिक, पर्यावरणीय और नैतिक संकट है। जिस देश में आज भी लाखों लोग भरपेट भोजन से वंचित हों, वहां अन्न का यह अपमान हमारी सामूहिक चेतना पर सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न है। इस समस्या की जड़ हमारी सामाजिक मानसिकता में है। विवाहों में आवश्यकता से अधिक भोजन बनाना और ज्यादा से ज्यादा परोसना आज भी प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मेजबान को भोजन कम पड़ने का भय रहता है, जबकि अतिथि संकोच या लालच में जरूरत से अधिक थाली भर लेते हैं। नतीजतन बड़ी मात्रा में भोजन कूड़ेदान में पहुंच जाता है। होटल और रेस्तरां का बुफे सिस्टम इस अपव्यय को और बढ़ाता है, जहां स्वाद की चाह भूख पर भारी पड़ती है। घरों में भी व्यस्त जीवनशैली, सही अनुमान की कमी और बचत के बजाय नया खरीदो की मानसिकता ने रसोई को अपव्यय का केंद्र बना दिया है। फल-सब्जियां सड़ जाती हैं, बचा भोजन फ्रिज में पड़ा रहकर अंतत: कूड़े में चला जाता है। उपभोग की संस्कृति ने विवेक को पीछे धकेल दिया है; भोजन अब आवश्यकता नहीं, प्रदर्शन का माध्यम बन चुका है।

भोजन की बर्बादी केवल थाली तक सीमित नहीं, इसका सबसे गहरा प्रहार पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर होता है। अनुपयोगी भोजन कचरा भराव स्थलों में सड़कर मीथेन गैस छोड़ता है, जो भूमंडलीय तापवृद्धि की प्रमुख वजह है। वैश्विक स्तर पर खाद्य अपव्यय कुल हरितगृह गैस उत्सर्जन का 8 से 10 प्रतिशत हिस्सा है, जो विमानन उद्योग से भी अधिक है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में यह केवल अन्न नहीं, बल्कि पानी, बिजली, डीजल, उर्वरक, परिवहन, भंडारण और किसानों के श्रम का भी अपव्यय है। अनुमान है कि इससे भारत को हर वर्ष डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान होता है। इतनी राशि से हजारों विद्यालय, अस्पताल, सिंचाई और पोषण योजनाएं साकार हो सकती हैं। सच यह है कि हम भोजन नहीं, अपने भविष्य की संभावनाएं कूड़ेदान में फेंक रहे हैं।विडंबना यह है कि यह संकट तकनीक का नहीं, मूल्यों के क्षरण का परिणाम है। जिस समाज ने अन्नपूर्णा को देवी माना, वहीं अन्न का अपमान सामान्य होता जा रहा है। एक ओर करोड़ों लोग दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, दूसरी ओर दावतों का भोजन कूड़ेदान में पहुंच रहा है। यह केवल आर्थिक असमानता नहीं, सामाजिक संवेदनहीनता का भी प्रमाण है। विकसित देशों में डॉग्गी बैग जिम्मेदार नागरिकता का प्रतीक है, जबकि भारत में इसे आज भी संकोच से देखा जाता है। अनेक होटलों का बचा भोजन सुरक्षित व्यवस्था से जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सकता है। घरों में सही मात्रा में भोजन पकाना, बचे भोजन का पुन: उपयोग, बेहतर शीतक प्रबंधन और पहले से उपलब्ध सामग्री का उपयोग अपव्यय को काफी घटा सकता है। आखिर, संस्कारों की पहचान पूजा से नहीं, अन्न के सम्मान से होती है।समस्या जितनी व्यापक है, समाधान भी उतने ही व्यावहारिक हैं। कई होटल और भोजन-व्यवस्थापक अब शून्य अपव्यय विवाह पैकेज अपना रहे हैं, जिनमें अतिथियों की संख्या के अनुसार भोजन का वैज्ञानिक आकलन होता है। अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं विवाह और होटलों का बचा सुरक्षित भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचा रही हैं। यह केवल सेवा नहीं, संसाधनों के सम्मान की संस्कृति है। सरकार को बड़े आयोजनों में खाद्य अपव्यय रोकने के लिए जनजागरूकता, प्रभावी नियम और कर प्रोत्साहन जैसे कदम उठाने होंगे। विद्यालयों और महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में खाद्य अपव्यय, पोषण और संसाधन संरक्षण को शामिल करना समय की मांग है, ताकि नई पीढ़ी इसे व्यवहार में उतारे। जब समाज इसे आदत नहीं, राष्ट्रीय दायित्व मानेगा, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।आज प्रौद्योगिकी भी इस चुनौती का प्रभावी समाधान बन सकती है। स्मार्ट फ्रिज भोजन की उपयोग अवधि बताकर बर्बादी रोक सकते हैं, जबकि मोबाइल ऐप्स से बचा भोजन तुरंत डोनेशन नेटवर्क तक पहुंचाया जा सकता है। बिग डेटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विवाह, होटल और बड़े आयोजनों के लिए आवश्यकता के अनुरूप भोजन का सटीक आकलन संभव बना रहे हैं। नगर निकाय, होटल उद्योग, खाद्य कंपनियां और स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर खाद्य अपव्यय को काफी घटा सकती हैं।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शुक्रवार 17 जुलाई 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

कुम्हारी में दर्दनाक सड़क हादसा

खड़े ट्रैक्टर से स्कूटी टकराई, चार की मौत, 8 वर्षीय बालक गंभीर

भिलाई (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक दु:खद सड़क दुर्घटना घटित हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार अमृत निर्मलकर (28 वर्ष) स्कूटी चला रही थीं। उनके साथ कुल पाँच लोग बसंत विहार, रायपुर स्थित अपने मामा के घर जाने के लिए निकले थे।

रास्ते में राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े क्रमांक सीजी 07 एनए 0930 ट्रैक्टर, जिसमें ऑक्सीजन सिलेंडर लोड थे, के पीछे स्कूटी टकरा गई। दुर्घटना में चार व्यक्तियों की घटनास्थल पर मृत्यु हो गई, जबकि एक बालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

दिल्ली के अमन विहार में सड़क हादसा, डंपर ने महिला को बेरहमी से कुचला, मौत

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला. बाहरी दिल्ली के अमन विहार थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार लोड डंपर ने महिला को इतनी बेरहमी से कुचल दिया कि उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. दुर्घटना के बाद आरोपी चालक डंपर छोड़कर मौके से फरार हो गया. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह दर्दनाक हादसा दिल्ली के बुध विहार-कंझावला रोड पर हुआ, जहां तेज रफ्तार लोड डंपर की चपेट में आने से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई.मृतका की पहचान रोहिणी निवासी प्रियंका के रूप में हुई है. हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शव पूरी तरह क्षत-विक्षत हो गया था.अमन विहार थाना पुलिस को शव को सड़क से हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी.पुलिस ने बेहद सावधानी के साथ शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा. घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे. हादसे के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन पुलिस ने शव हटवाकर ट्रैफिक को दोबारा सुचारु रूप से चालू कराया. पुलिस ने हादसे में शामिल लोड डंपर को कब्जे में ले लिया है.वहीं, आरोपी चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है. पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है. घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी ने बताया वो सड़क से गुजर रहे थे तभी देखा काफी भीड़ लगी हुई थी देखा तो महिला डंपर के नीचे मरी पड़ी थी, तब मैंने पुलिस को सूचना दी. दिल्ली में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसे एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही पर बड़े सवाल खड़े कर रहे हैं. अमन विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार डंपर चालक की तलाश तेज कर दी है.पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आवारा कुत्तों ने डेढ़ साल की बच्ची को घसीटा और बुरी तरह नोंचा, मौके पर ही मौत

रायचूर (कर्नाटक)(आरएनएस)। देश में आवारा कुत्तों के हमलों में बच्चों की मौत की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं. ताजा घटना कर्नाटक के रायचूर जिले की है. बुधवार को सिंधनूर तालुक के हंचिनाला कैंप में आवारा कुत्तों के हमले में डेढ़ साल की एक बच्ची की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, विजयनगर जिले के होसपेटे के रहने वाले राजा कसाब की बेटी अनम (1.5 साल) बुधवार सुबह जब नींद से जागकर घर से बाहर निकली तो छह-सात आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया, उसे घसीटा और अंधाधुंध काट लिया. इससे बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई. घटना के संबंध में सिंधनूर ग्रामीण पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

माता-पिता ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया, 15 जुलाई को सुबह 3 से 6 बजे के बीच जब बच्ची पालने से बाहर निकली, तो आवारा कुत्तों ने उसके पूरे शरीर पर काट लिया और गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई. बच्ची के चेहरे, हाथ, पैर और पेट पर गंभीर चोटें आईं।

इस दुखद घटना से बच्ची के माता-पिता दुखी हैं। गांव के लोग भी इस घटना से डरे-सहमे हैं. इससे पहले भी, जिले में बच्चों और लोगों पर आवारा कुत्तों के हमले की कई खबरें आई हैं, जिससे मौतें भी हुई हैं. हालांकि, आवारा कुत्तों को नियंत्रित करने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाया जा रहा है. लोगों ने मांग की है कि संबंधित अधिकारी तुरंत सही कदम उठाएं ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

आईआईटी मद्रास के जांजीबार कैंपस की सफलता के बीच राष्ट्रपति म्विनयी की भारत यात्रा अहम

नई दिल्ली (आरएनएस)। जंजीबार के राष्ट्रपति और रिवोल्यूशनरी काउंसिल के चेयरमैन डॉ. हुसैन अली म्विनयी 17 से 20 जुलाई तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। भारत के उपराष्ट्रपति के निमंत्रण पर हो रही इस यात्रा में राष्ट्रपति म्विनयी के साथ उनकी पत्नी और मंत्रियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होगा। उनके दौरे का आगाज चेन्नई से होगा, यहां वो दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।विदेश मंत्रालय के अनुसार, यात्रा के दौरान राष्ट्रपति म्विनी भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात करेंगे। इस दौरान भारत और तंजानिया के बीच संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की जाएगी और भविष्य में सहयोग के नए क्षेत्रों की संभावनाओं पर चर्चा होगी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भी जंजीबार के राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति म्विनयी अपनी यात्रा के दौरान चेन्नई स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के 63वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि आईआईटी मद्रास के जंजीबार परिसर ने अक्टूबर 2023 में स्थापना के बाद सफलतापूर्वक दो वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह परिसर भारत की वैश्विक शैक्षणिक पहुंच और अफ्रीका के साथ सहयोग का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।राष्ट्रपति म्विनयी 17 जुलाई को चेन्नई पहुंचेंगे और इसके बाद 18 जुलाई की रात नई दिल्ली पहुंचेंगे। 19 जुलाई को उनका विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन के साथ मुलाकात का कार्यक्रम है। वह राजघाट जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे।

आईएमडी का पूर्वानुमान, 22 जुलाई तक देश के कई राज्यों में भारी से अति भारी बारिश के आसार

-बंगाल की खाड़ी में बने लो-प्रेशर सिस्टम और पश्चिमी विक्षोभ के असर से मानसून होगा सक्रिय, कई राज्यों में चेतावनी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम में बना लो-प्रेशर एरिया अगले 12 घंटों में और अधिक सक्रिय हो सकता है. इससे 22 जुलाई तक पूर्वी, मध्य और उत्तर-पश्चिमी भारत में बड़े पैमाने पर बारिश हो सकती है. मौसम विभाग ने कहा कि यह सिस्टम उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के गंगा क्षेत्र से होते हुए उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा, जबकि 19 जुलाई से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से भी उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश बढ़ने की उम्मीद है।

एल नीनो एक जलवायु संबंधी घटना है जो तब होता है जब पारंपरिक हवा कमजोर हो जाती है, जिससे सेंट्रल और ईस्टर्न ट्रॉपिकल पैसिफिक ओशन में समुद्र की सतह का तापमान बढ़ जाता है. मौसम एजेंसियों का कहना है कि यह घटना पिछले महीने और मजबूत हुआ है, जिसमें समुद्र की सतह के तापमान में 1 डिग्री सेटीग्रेड से ज़्यादा का अंतर है।

एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि मजबूत होता एल नीनो समुद्रों और क्लाइमेट चेंज से पहले से ही गर्म हो चुके एटमॉस्फियर पर बन रहा है, जिससे आने वाले महीनों में एक खास तौर पर मजबूत इवेंट की संभावना बढ़ गई है. इससे वैश्विक तापमान बढ़ सकता है और कई इलाकों में बारिश के पैटर्न में रुकावट आ सकती है।

भारत के लिए इसका असर कमजोर और असमान साउथ-वेस्ट मॉनसून,

लंबे समय तक सूखा, गर्मी का बढ़ता स्ट्रेस, पानी के रिसोर्स और खेती पर दबाव और खाने की चीज़ों की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकता है. कमजोर मॉनसून हवा के कारण केरल में भी नॉर्मल से कम मौसमी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश बढ़ने की उम्मीद है. दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में 16 से 20 जुलाई के बीच कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है, जबकि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में 18 जुलाई से अच्छी-खासी बारिश होने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने 20-21 जुलाई को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है, साथ ही आंधी-तूफान और 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज हवाएं चलने की भी चेतावनी दी है.

मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 22 जुलाई तक मॉनसून एक्टिव रहने की संभावना है. 18-19 जुलाई को पूर्वी मध्य प्रदेश और 16-17 जुलाई को छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की उम्मीद है, जबकि पूरे इलाके में तेज़ हवा के साथ गरज के साथ बारिश होने की भी उम्मीद है।

पूर्वी भारत में सबसे ज़्यादा बारिश होने की उम्मीद है. ओडिशा में 16 जुलाई को कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश का अनुमान है, जबकि पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार और सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अगले कुछ दिनों में भारी से बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है.बारिश के साथ गरज और तेज हवा चल सकती हैं।

अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में 22 जुलाई तक बड़े पैमाने पर बारिश होने की संभावना है. कई राज्यों में भारी बारिश की उम्मीद है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश में 16 जुलाई को बहुत ज़्यादा बारिश हो सकती है।

जन सुराज की नेता चेतना झांब, पटना में बीजेपी के राज्य कार्यालय में बिहार बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हुईं।

पीएम मोदी के दौरे से बदलेगा ट्रैफिक रूट, एनएच-44 पर साढ़े तीन घंटे तक नहीं चलेगा सामान्य आवागमन

जालंधर,(आरएनएस)। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी 17 जुलाई को पंजाब के औद्योगिक नगर में होने वाले प्रस्तावित आगमन को लेकर शासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न हो और इस दौरान आम जनता को भी कम से कम दिक्कतों का सामना करना पड़े, इसके लिए अभेद्य सुरक्षा चक्र तैयार किया गया है।

विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) प्रवीण कुमार सिन्हा ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद एक उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री दोपहर लगभग 3:40 बजे विशेष विमान से पहुंचेंगे और करीब डेढ़ घंटे तक शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। इस बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण वीवीआईपी दौरे को देखते हुए सुरक्षा और यातायात (ट्रैफिक) प्रबंधन की रणनीतियों को अंतिम रूप दे दिया गया है।

चूंकि प्रधानमंत्री का मुख्य कार्यक्रम स्थल राष्ट्रीय राजमार्ग-44 (एनएच -44) के बेहद करीब स्थित है, इसलिए सुरक्षा कारणों से यातायात में अस्थायी रूप से बड़ा बदलाव किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों की सुविधा के लिए एक आधिकारिक एडवाइजरी जारी की है।

विशेष पुलिस महानिदेशक ने जनता से विशेष अपील की है कि वे 17 जुलाई, बुधवार को दोपहर 2:00 बजे से लेकर शाम 5:30 बजे के बीच लुधियाना, जालंधर, अमृतसर और पठानकोट को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-44 (एनएच -44) पर यात्रा करने से बचें।

राहुल गांधी पर अभिजीत दीपके का पुराना पोस्ट चर्चा में, भारत जोड़ो यात्रा पर किया था तंज

नई दिल्ली,(आरएनएस)। साल 2022 में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में निकली 'भारत जोड़ो यात्रा' एक बार फिर देश के सियासी और सोशल मीडिया गलियारों में अचानक सुर्खियों में आ गई है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली गई इस व्यापक यात्रा का मुख्य उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों में जनसंपर्क बढ़ाना और राजनीतिक संवाद को जमीनी स्तर पर मजबूत करना था। कई सालों बाद इस यात्रा के दोबारा चर्चा में आने की मुख्य वजह कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके का करीब चार साल पुराना एक सोशल मीडिया पोस्ट है, जिसमें उन्होंने इस पूरी मुहिम पर तंज कसा था। दरअसल, 8 सितंबर 2022 को अभिजीत दीपके ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म 'एक्स' (ट्विटर) पर एक पत्रकार के ट्वीट का जवाब देते हुए राहुल गांधी की इस यात्रा की आलोचना की थी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा था कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा आखिरकार एक साधारण ट्रैवल व्लॉग से ज्यादा कुछ नहीं बन पाएगी। हाल के दिनों में उनका यह पुराना बयान इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है, क्योंकि कभी राहुल गांधी की मुहिम का मजाक उड़ाने वाले दीपके आज खुद घिर गए हैं। उन्होंने हाल ही में राहुल गांधी समेत विपक्ष के कई बड़े नेताओं को दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे अपने प्रदर्शन में शामिल होने और समर्थन देने की गुहार लगाई है। इस बड़े विरोधाभास ने सोशल मीडिया पर एक नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है।अभिजीत दीपके की पुरानी टिप्पणी जैसे ही दोबारा सतह पर आई, सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया और इंटरनेट पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई।

9वीं क्लास के स्टूडेंट्स पर नई भाषा का बोझ न डालें

-सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सीबीएसई से कहा

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) के क्लास 9 लेवल पर तीसरी भाषा को जरूरी बनाने के फैसले पर सवाल उठाया. कोर्ट ने कहा कि इससे बोर्ड एग्जाम की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स पर पढ़ाई का दबाव पड़ता है, जिसे टाला जा सकता है. कोर्ट ने सुझाव दिया कि ऐसी कोई भी भाषा क्लास पांचवीं या छठी कक्षा से शुरू की जानी चाहिए।

जस्टिस बीवी नागरत्ना की ये बातें इसलिए अहम हैं क्योंकि ये सीबीएसई के क्लास 9 के स्टूडेंट्स के मौजूदा बैच के लिए एक बार की छूट देने के ऐलान के ठीक दो हफ्ते बाद आई हैं, जिसमें उन्हें क्लास 10 की बोर्ड परीक्षा में तीसरी भाषा लेने से छूट दी गई है. ऐसा स्कूलों, पेरेंट्स और स्टूडेंट्स की तरफ से इस पॉलिसी को अचानक लागू करने को लेकर काफी चिंता के बाद किया गया था।

जस्टिस नागरत्ना ने ये बातें मद्रास हाई कोर्ट के 2017 के फैसले के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की अपील की सुनवाई के दौरान कहीं, जिसमें राज्य को हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) बनाने में मदद करने का निर्देश दिया गया था. तमिलनाडु ने लगातार इस स्कीम का विरोध किया है, और कहा है कि जेएनवी तीन-भाषा की पॉलिसी को फॉलो करते हैं जो राज्य की लंबे समय से चली आ रही दो-भाषा की पॉलिसी से मेल नहीं खाती.हालांकि जस्टिस आर महादेवन वाली पीठ के सामने सीबीएसएई की तीन-भाषा पॉलिसी की वैधता पर विचार नहीं हो रहा था, लेकिन चर्चा उस स्टेज पर आ गई जब स्कूलों में तीसरी भाषा शुरू की जाती है.जब तमिलनाडु के वकील ने कहा कि तीसरी भाषा सिर्फ़ क्लास 9 से ज़रूरी हो जाती है, तो जस्टिस नागरत्ना ने कहा, नहीं, यह बहुत बुरा है. नौवीं क्लास स्ट्रेसफुल होती है. आप 9वीं में नई भाषा क्यों शुरू करते हैं? आप इसे 6वीं में शुरू करते हैं.अपनी स्कूलिंग का जिक्र करते हुए, जस्टिस ने याद किया कि उनके स्कूल में स्टूडेंट्स मिडिल स्कूल के दौरान तीसरी भाषा सीखना शुरू कर देते थे ताकि वे सेकेंडरी स्कूल से पहले अच्छी तरह से तैयार हो सकें. उन्होंने कहा, मिडिल स्कूल में तीसरी भाषा शुरू की गई थी।

हिंदू और किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ होगा आंदोलन : कर्नाटक भाजपा

हावेरी (आरएनएस)। कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने गुरुवार को राज्य की कांग्रेस सरकार पर 'हिंदू विरोधी' और 'किसान विरोधी' नीतियां अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की कथित तुष्टिकरण की राजनीति के खिलाफ राज्यभर में जोरदार आंदोलन करेगी। हावेरी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से राज्य में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में हत्याएं हो रही हैं और सरकार की तुष्टिकरण की राजनीति के कारण सांप्रदायिक तत्वों के हौसले बुलंद हो गए हैं। उन्होंने हाल की कुछ घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि हावेरी में लोहित कुरुबार और उनके दोस्तों पर हमला हुआ, जिसमें एक युवक का हाथ कट गया। इसके अलावा उन्होंने रत्तेहल्ली में शिवाजी राव की हत्या तथा कोप्पल और यल्लापुर में हुई अन्य घटनाओं का भी उल्लेख किया।

नीट-यूजी पेपर लीक में खुलासा; लातूर कोचिंग संचालक ने खरीदा प्रश्न-पत्र, 136 में 111 सवाल मिले

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (नीट-स्नातक) 2026 के कथित प्रश्नपत्र लीक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने विशेष न्यायालय के समक्ष महत्वपूर्ण खुलासा किया है। जांच एजेंसी ने बताया कि महाराष्ट्र के लातूर स्थित एक कोचिंग संस्थान के संचालक के मोबाइल फोन से 136 हस्तलिखित प्रश्न बरामद हुए हैं, जिनमें से 111 प्रश्न राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के मूल प्रश्नपत्र से मेल खाते हैं।

सीबीआई के अनुसार, लातूर निवासी शिवराज मोटेगांवकर, जो रेनुकाई केमिस्ट्री क्लासेस का संचालन करते हैं, ने कथित रूप से रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के प्रश्नपत्र तैयार करने वाले व्यक्ति को पांच लाख रुपये का भुगतान किया था। जांच एजेंसी ने यह जानकारी मोटेगांवकर की जमानत याचिका का विरोध करते हुए विशेष न्यायालय में प्रस्तुत की।

जांच में यह भी सामने आया है कि मोटेगांवकर को तीन मई को आयोजित नीट-स्नातक परीक्षा से पहले, 23 अप्रैल को ही कथित रूप से प्रश्नपत्र उपलब्ध करा दिए गए थे। एजेंसी का दावा है कि उनके मोबाइल से मिले हस्तलिखित प्रश्न मूल प्रश्नपत्र से काफी हद तक मेल खाते हैं, जो मामले में महत्वपूर्ण साक्ष्य हैं। सीबीआई ने न्यायालय को बताया कि यह प्रश्नपत्र लातूर के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज शिरुरे तथा सेवानिवृत्त रसायन विज्ञान व्याख्याता एवं राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के पूर्व पैनल सदस्य पी. वी. कुलकर्णी के नेटवर्क के माध्यम से मोटेगांवकर तक पहुंचे। जांच एजेंसी का आरोप है कि इन लोगों की प्रश्नपत्रों तक पहुंच थी और इसी माध्यम से प्रश्नपत्र लीक किए गए।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कथित रूप से लीक प्रश्नपत्रों की प्रतियां टेलीग्राम संदेश मंच के माध्यम से दस लाख रुपये तक में बेची गईं। सीबीआई के अनुसार, प्रश्नपत्र खरीदने के बाद उनका अवैध रूप से प्रसार किया गया। जांच एजेंसी ने यह भी उल्लेख किया कि मोटेगांवकर पहले अंशकालिक शिक्षक थे, लेकिन बाद में उन्होंने बड़े स्तर पर कोचिंग संस्थान का संचालन शुरू किया। उनका मोटेगांवकर सर आरसीसी नाम से एक वीडियो मंच चैनल भी है, जिसके 1.6 लाख से अधिक सदस्य बताए जाते हैं। उनकी कोचिंग संस्था से वर्ष 2025 में 19 विद्यार्थियों का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में चयन हुआ था। जांच एजेंसी इस तथ्य को भी मामले की जांच के संदर्भ में देख रही है। उल्लेखनीय है कि नीट-स्नातक 2026 की परीक्षा तीन मई को आयोजित हुई थी, जिसमें लगभग 23 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इसके बाद राजस्थान में सात मई को प्रश्नपत्र लीक की सूचना सामने आने पर 12 मई को परीक्षा निरस्त कर दी गई और पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंप दी गई। दोबारा परीक्षा 21 जून को आयोजित किए जाने से पहले देश के विभिन्न हिस्सों में व्यापक विरोध-प्रदर्शन हुए। प्रश्नपत्र लीक प्रकरण को लेकर अभ्यर्थियों और विभिन्न संगठनों ने निष्पक्ष जांच की मांग की तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग भी उठाई।

केतन अग्रवाल हत्याकांड : सिया गोयल के परिवार की दुकान पर एफडीए की कार्रवाई, कारोबार बंद करने का नोटिस

पुणे,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में नया मोड़ सामने आया है। हत्या के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी सिया गोयल के परिवार की मसाला और सूखे मेवों की दुकान पर महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने कार्रवाई करते हुए कारोबार तत्काल बंद करने का नोटिस जारी किया है।

जानकारी के अनुसार, 'मेसर्स बी.जी. गोयल एंड कंपनी' के नाम से संचालित यह दुकान पुणे के मार्केट यार्ड क्षेत्र में स्थित है। एफडीए ने दुकान में कथित खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन और लाइसेंस संबंधी अनियमितताओं के चलते अगले आदेश तक सभी व्यावसायिक गतिविधियां बंद करने के निर्देश दिए हैं।

एफडीए अधिकारियों ने जांच के दौरान दुकान से खाद्य उत्पादों के चार नमूने एकत्र किए। जांच में उत्पादों पर गलत या अधूरी जानकारी दर्ज होने तथा संभावित मिलावट की आशंका सामने आने पर विभाग ने करीब 8.14 लाख रुपये मूल्य का 4,172 किलोग्राम खाद्य सामग्री जब्त कर ली। विभाग का यह भी कहना है कि दुकान के लाइसेंस संबंधी आवश्यक विवरणों में समय पर संशोधन नहीं कराया गया था।

उधर, केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच जारी है। 25 वर्षीय केतन अग्रवाल की 18 जून को लोहागढ़ किले से गिरने के कारण मौत हुई थी। शुरुआती तौर पर इसे दुर्घटना माना गया, लेकिन पुलिस जांच में मामला हत्या का निकला।

पुलिस के अनुसार, केतन अग्रवाल की शादी सिया गोयल से होने वाली थी। आरोप है कि सिया गोयल ने अपने कथित प्रेमी चेतन चौधरी के साथ मिलकर लोहागढ़ किले की पहाड़ी पर ट्रैकिंग के दौरान केतन को खाई में धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने सिया गोयल और चेतन चौधरी दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

अमेरिका में हैदराबाद के युवक से धर्म पूछकर कई बार चाकू से किया हमला, परिवार ने विदेश मंत्रालय से की मदद की अपील

हैदराबाद (आरएनएस)। अमेरिका में एक और भारतीय को नफरत की आग में झोंक दिया गया। हाल के समय में अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नफरत और अपराध के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली है। ताजा मामले में हैदराबाद के एक युवक को अमेरिका के शॉपिंग मॉल में कई बार चाकू मारा गया।सैयद सोहेलुद्दीन के परिवार को मिली जानकारी के अनुसार, यूटा के वेस्ट वैली सिटी के वैली फेयर मॉल में एक आदमी ने उन्हें चाकू मार दिया, जिसके बाद उनकी हालत गंभीर है।जानकारी के अनुसार, हमलावर ने पीड़ित से पूछा कि क्या वह मुस्लिम है, फिर उसे 15 से ज्यादा बार चाकू मारा। 37 साल के सोहेलुद्दीन पिछले ढाई साल से शॉपिंग मॉल में एक कियोस्क चला रहे हैं।पुलिस के आने से पहले कुछ राहगीरों ने हमलावर को पकड़ लिया और उसका चाकू ले लिया। उसकी पहचान 48 साल के पीटर माइकल लार्सन के तौर पर हुई। आरोपी ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि उसने मुस्लिम पीड़ित को निशाना बनाया और उसे मारना चाहता था।यह घटना 13 जुलाई को हुई थी। हमले के परेशान करने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। पीड़ित को वेस्ट वैली सिटी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।हैदराबाद के टोली चौकी इलाके के रहने वाले सोहेलुद्दीन के परिवार ने सरकार से इस मामले में तुरंत दखल देने की अपील की है। उन्होंने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से अपील की है कि वे इस मामले को अमेरिकी अधिकारियों के सामने उठाएं और उनके लिए अमेरिका जाने के लिए वीजा का इंतजाम करें। सोहेलुद्दीन की पत्नी अमरीन फिरदौस हमले के बारे में जानकर बेहोश हो गईं।

अमेरिकी मदद के बिना रूस का सामना करेगा यूरोप? जानें कैसे दो समझौते बढ़ा सकते हैं पुतिन की चिंता

मॉस्को (ए.)। दुनिया की दो महाशक्तियों अमेरिका और रूस ने बीते कई दशकों से अलग-अलग देशों के सुरक्षा मानक तय करने में बड़ी भूमिका निभाई है। जहां पश्चिमी देश बड़े स्तर पर अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहे हैं तो वहीं पूर्वी देशों की निर्भरता सोवियत संघ और फिर रूस पर रही। हालांकि, अब यह स्थिति बदल रही है। जहां रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते मॉस्को की तरफ से सुरक्षा के लिए हथियारों की आपूर्ति पहले ही मुश्किल में पड़ चुकी है तो वहीं अब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के मनमाने फैसलों के बाद कई देश उससे भी अपनी निर्भरता घटाने की कोशिश में जुटे हैं। इसी कड़ी में अब यूरोप ने बड़ा कदम उठाया है। यूरोप के नौ देशों के नेताओं ने हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ पेरिस में एक बैठक की और यूरोप के अपने एकीकृत एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल गठबंधन को बनाने का एलान किया। अब बुधवार को यूरोपीय संघ (ईयू) और यूक्रेन ने साथ में ड्रोन बनाने के एक समझौते पर भी हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस घोषणा में यूरोप ने वादा किया कि वह अलग-अलग देशों की औद्योगिक क्षमताओं और करीबी सहयोग का सही इस्तेमाल करते हुए वह एक ऐसा रक्षा कवच बनाएगा, जो कि एकीकृत होगा और इसका ढांचा हर किसी को बचाएगा।

फ्लोरिडा में समुद्र किनारे आराम कर रहे लोगों के ऊपर से गुजरे अमेरिकी जेट, मचा हड़कंप

फ्लोरिडा (आरएनएस)। अमेरिका के फ्लोरिडा में सुबह-सुबह पेंसाकोला समुद्री तट पर आराम करना लोगों को भारी पड़ गया। यहां अमेरिकी नौसेना के विशिष्ट ब्लू एजेंल्स जेट अचानक समुद्र किनारे मौजूद लोगों के सिर के ऊपर से गुजर गया, जो बेहद कम ऊंचाई पर थे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें लोगों की छतरियां और कुर्सियां तक गिर गईं। इस घटना ने लोगों को चौंका दिया है। हालांकि, इसकी समीक्षा शुरू कर दी गई है।रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना 'ब्रेकफास्ट विद द ब्लूज' कार्यक्रम के दौरान घटी है।इस दौरान एक विमान मानक प्रोफाइल से नीचे उड़ा, जिसके परिणामस्वरूप समुद्र तट पर हलचल हुई और वहां मौजूद लोगों की कुर्सियां-छतरियां हिल गईं।ब्लू एजेंल्स में अपने बयान में बताया कि हमारे गृहनगर के समुदाय, दर्शकों और हमारे पायलटों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।उन्होंने बताया कि टीम नेतृत्व इस युद्धाभ्यास से संबंधित परिस्थितियों की समीक्षा कर रहा है।रिपोर्ट में उन प्रत्यक्षदर्शियों की बातचीत भी शामिल है, जो इस घटना के गवाह बने हैं।एक महिला ने बताया कि वह पिछले 10 साल से समुद्र किनारे आ रही हैं, लेकिन उन्होंने अपनी जिंदगी में ऐसा अभ्यास कभी नहीं देखा था।एक अन्य महिला ने बताया कि उनके कान कुछ पहले के लिए सुन्न हो गए और उनका सुनना बंद हो गया, ऐसा लगा कि वह इससे प्रभावित हुए हैं।

अमेरिका में भारतीयों की अवैध घुसपैठ घटी, 2023 के बाद 69 प्रतिशत कमी

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्ती के बाद अमेरिका में भारतीयों की अवैध घुसपैठ कम हो गई है। अमेरिकी सीमा अधिकारियों के आंकड़े बताते हैं कि मई 2026 तक 20,614 भारतीय प्रवासियों को अवैध तरीके से सीमा पार करते हुए पकड़ा गया, जो मई 2023 के मुकाबले काफी कम है। मई 2023 में अधिकारियों ने 67,000 भारतीय अवैध प्रवासियों को रोका था। वर्ष 2026 में यह आंकड़ा 69 प्रतिशत कम हो गया है।सूत्रों ने अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) के आंकड़ों से बताया कि अमेरिका की दोनों जमीनी सीमाओं पर अवैध घुसपैठ में भारी कमी आई है।मेक्सिको से दक्षिण-पश्चिमी सीमा पार करने की कोशिश कर रहे भारतीय प्रवासियों के साथ आमना-सामना 99 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि कनाडा के साथ उत्तरी सीमा पर ऐसी घटनाओं में 91 प्रतिशत की कमी आई है।

सीबीपी अमेरिकी सरकार के वित्तीय वर्ष, अक्टूबर से सितंबर तक आंकड़ों का संग्रह करता है।

अमेरिका में अवैध प्रवासन में गिरावट का सबसे बड़ा कारण राष्ट्रपति ट्रंप की सख्त आव्रजन नीतियां और संघीय एजेंसियों की कार्रवाई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023 के उच्चतम स्तर से लगभग 70 प्रतिशत की गिरावट का मुख्य कारण भी ट्रंप प्रशासन की कठोर आव्रजन नीतियों के रूप में सामने आई है। निस्कानन सेंटर के गिल्बर्ट गुएरा का कहना है कि अमेरिकी सीमाओं पर पहुंचने वाले प्रवासियों को शरण देने से इनकार करना गिरावट का प्रमुख कारण रहा है। अमेरिका में करीब 1.4 करोड़ लोग अवैध तरीके से रह रहे हैं, जिसमें सबसे बड़ी संख्या मेक्सिको, एल सल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास की है।

चीन ने किया दुनिया का पहला व्यावसायिक ब्रेन चिप इम्प्लांट, न्यूरालिंक से निकला आगे

बीजिंग,(आरएनएस)। चीन अरबपति एलन मस्क की ब्रेन चिप बनाने वाली कंपनी न्यूरालिंक से इस क्षेत्र में आगे निकल गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शंघाई के एक अस्पताल में दुनिया का पहला व्यावसायिक ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस इम्प्लांट किया गया है। यह तकनीक स्पाइनल कॉर्ड की चोट से पीड़ित एक मरीज पर इस्तेमाल की गई। चीन में इस डिवाइस को व्यावसायिक उपयोग की मंजूरी भी मिल चुकी है, जबकि न्यूरालिंक की तकनीक अभी क्लिनिकल परीक्षण के चरण में है।

रिपोर्ट के अनुसार, 'नियो' नाम का यह ब्रेन चिप दिमाग से निकलने वाले संकेतों को पढ़कर उन्हें कंप्यूटर के जरिए आदेश में बदल देता है।

जब मरीज हाथ हिलाने के बारे में सोचता है, तो यह चिप उन संकेतों को पकड़कर रोबोटिक दस्ताने तक पहुंचाती है। इससे हाथों की गतिविधि वापस लाने में मदद मिल सकती है।शुरुआती जांच में सर्जरी सफल रही और डिवाइस के सही तरीके से काम करने की जानकारी दी गई है।रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन का नियो सिस्टम और मस्क का न्यूरालिंक चिप अलग तरीके से काम करते हैं। न्यूरालिंक का चिप दिमाग के अंदर लगाया जाता है, जबकि नियो चिप दिमाग की सतह पर लगाया जाता है। इससे सर्जरी कम जटिल मानी जा रही है।चीन में इस तकनीक को व्यावसायिक मंजूरी मिल चुकी है, जबकि न्यूरालिंक को अभी अमेरिका में पूरी व्यावसायिक मंजूरी मिलना बाकी है। विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस तकनीक भविष्य में लकवे और तंत्रिका संबंधी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए एक नई उम्मीद बन सकती है।

ईरान ने अमेरिकी हमले के बदले मिडिल-ईस्ट का इंफ्रास्ट्रक्चर तबाह करने की धमकी दी

तेहरान (ए.)। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते हवाई हमलों से मध्य एशिया संकट फिर बढ़ गया है। अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान गल्फ देशों को निशाना बना रहा है। ईरान के खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल इब्राहिम जोल्फाघरी ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका ने उसके बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचाया तो वो मिडिल ईस्ट के इंफ्रास्ट्रक्चर तबाह कर देंगे।गुरुवार को ईरानी स्टेट मीडिया ने जोल्फाघरी का बयान जारी किया। जिसमें उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी धमकियों को अमल में लाते हैं, तो ईरान के सशस्त्र बल ऐसे जवाबी हमले करेंगे कि मिडिल ईस्ट के रणनीतिक ढांचों का कोई निशान नहीं बचेगा।

जोलफाघारी ने यह भी कहा कि ईरान होर्मुज में अमेरिका के किसी भी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा, "किसी भी परिस्थिति में और किसी भी तरीके से हम अमेरिका जैसे बाहरी और क्षेत्र से बाहर के देश को होर्मुज में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं देंगे।"दरअसल, ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर तेहरान बातचीत के लिए तैयार नहीं हुआ तो अमेरिकी सेना अगले हफ्ते ईरान के पावर प्लांट और पुलों को निशाना बनाना शुरू करेगी। उन्होंने फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम में ये बात कही थी।इस बीच, ईरान ने गुरुवार को दावा किया कि उसने बहरीन स्थित शेख ईसा एयर बेस पर दोबारा हमला कर "हवाई निगरानी और नियंत्रण करने वाले रडार पूरी तरह नष्ट कर दिए " और "लड़ाकू विमानों के ईंधन टैंक पंपिंग स्टेशन को भी तबाह कर दिया।" इससे पहले ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इस एयर बेस पर ड्रोन हमले का जिक्र किया था।

फीचर

विक्रांत मैसी की सादगी पर फिदा हुई महिमा मकवाना, बोलीं-आज भी हैं उतने ही दयालु

अभिनेता विक्रांत मैसी और अभिनेत्री महिमा मकवाना जल्द ही आगामी फिल्म मुसाफिर कैफे में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान महिमा मकवाना ने अपने को-स्टार की तारीफ करते हुए बताया कि करियर में बड़ी सफलता हासिल करने के बावजूद विक्रांत वही इंसान हैं जिन्हें वह सालों पहले जानती थीं। अभिनेत्री ने बताया कि विक्रांत के साथ उनकी पहली मुलाकात टीवी सीरियल बालिका वधू के सेट पर हुई थी, जब वह महज 10 साल की थीं। अभिनेत्री महिमा मकवाना ने कहा, इतने वर्षों के बाद भी विक्रांत में कोई बदलाव नहीं आया। वे सबसे दयालु, मेहनती और सच्चे इंसान है। ये खूबियां उनके काम में दिखती हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना ने यह भी कहा कि मुसाफिर कैफे में विक्रांत मैसी के साथ दोबारा काम करना एक शानदार अनुभव रहा है। वहीं, विक्रांत ने भी महिमा मकवाना के साथ काम करने को शानदार अनुभव बताया।महिमा मकवाना ने टेलीविजन शो बालिका वधू में युवा गौरी सिंह का रोल किया था। उनके कैरेक्टर को एक छोटे से कैमियो के जरिए इंट्रोड्यूस किया गया था, जिसमें एक युवा लड़की थी जो जग्या (अविनाश मुखर्जी) से शादी करने वाली थी, उस समय जब आनंदी मेंटल हेल्थ की दिक्कतों से जूझ रही थी।दूसरी तरफ, विक्रांत मैसी ने पॉपुलर हिंदी टेलीविजन सीरीज बालिका वधू में श्याम मदन सिंह का किरदार निभाया था। वह 2009 से 2010 तक इस शो से जुड़े रहे, जो टेलीविजन पर उनके शुरुआती शो में से एक था।मुसाफिर कैफे रुचिर अरुण द्वारा निर्देशित रोमांटिक ड्रामा है, जो प्यार और रिश्तों के उलझाव पर आधारित है। इसमें एक सफर के दौरान होने वाले प्यार और यादों की कहानी दिखाई गई है। यह फिल्म हिंदी साहित्यकार दिव्या प्रकाश दुबे द्वारा लिखा गया एक बेहद लोकप्रिय और भावनात्मक उपन्यास है।

मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना चाहिए, अंजना सुखानी ने बॉलीवुड के सफर का बताया अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म मैं वापस आऊंगा को लेकर चर्चा में हैं।

अंजना सुखानी ने कहा, मेरे लिए मैं वापस आऊंगा बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है। दुनियाभर के कलाकार उनके साथ काम करने का सपना देखते हैं और मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे यह मौका मिला। फिल्म की पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा, खासकर नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ के साथ। नसीर साहब के साथ काम करना किसी लाइव मास्टरक्लास जैसा अनुभव है। उन्हें देखकर ही अभिनय की बहुत सारी चीजें सीखी जा सकती हैं। फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। हालांकि, ट्रेलर लॉन्च और शूटिंग के दौरान कुछ मुलाकातें जरूर हुईं। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। जब मैंने दोनों का पहला सीन देखा तो मैं काफी प्रभावित हुई। वे फिल्म में नई ऊर्जा लेकर आए हैं।

आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं।

मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। टेक्नीशियन, लाइटिंग टीम, स्पॉट बॉय और प्रोडक्शन से जुड़े सभी लोगों को काम मिलता है। मेरी दर्शकों से अपील है कि वे फिल्मों को थिएटर में जाकर जरूर देखें।

वजन घटाने के लिए कोशिशें की, फिर भी नहीं हुआ कुछ? हो सकती हैं ये गलतियां

वजन घटाने के लिए लोग कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन हर बार सफल नहीं हो पाते। अगर बार-बार खानपान में बदलाव और व्यायाम करने के बाद भी वजन कम नहीं हो रहा है तो इसके पीछे कुछ गलतियां हो सकती हैं। अक्सर लोग बिना सोचे-समझे वजन घटाने के लिए कई चीजें आजमा लेते हैं, लेकिन गलत तरीके से अपनाए गए ये तरीके और गलतियां वजन घटाने की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं। आइए इन गलतियों के बारे में जानें।

पानी का कम सेवन

वजन घटाने के लिए खानपान में बदलाव के साथ-साथ पानी का भरपूर सेवन करना भी जरूरी है। पानी पाचन को ठीक रखने के साथ-साथ वजन घटाने में भी मदद कर सकता है।इसके अलावा पानी शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालकर भी वजन घटाने में मदद कर सकता है।लाभ के लिए दिनभर में 8-10 गिलास पानी का सेवन जरूर करें। इसके साथ ही नारियल पानी, नींबू पानी और फलों का रस भी पिएं।

पर्याप्त नींद न लेना

अगर आप वजन घटाने के लिए काफी मेहनत करने के बावजूद वजन नहीं घटा पा रहे हैं तो इसका कारण पर्याप्त नींद न लेना हो सकता है।दरअसल, अगर आप रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद नहीं लेते हैं तो इससे आपका वजन बढ़ सकता है।इसके अलावा नींद की कमी से तनाव और थकान जैसी कई परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए वजन घटाने के लिए पूरी नींद लेना जरूरी है।

सुबह का नाश्ता छोड़ना

अगर आप वजन घटाने के चक्कर में सुबह का नाश्ता छोड़ देते हैं तो यह आपकी सबसे बड़ी गलती हो सकती है।सुबह का नाश्ता न छोड़ें क्योंकि यह दिन का सबसे अहम और पहला भोजन होता है। सुबह का नाश्ता न करने से शरीर की ऊर्जा कम हो जाती है और इससे वजन घटाने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है।अगर आप सुबह का नाश्ता नहीं करते हैं तो इससे शरीर की ऊर्जा भी कम हो जाती है।

ज्यादा शारीरिक गतिविधि न करना

अगर आप वजन घटाने के लिए खानपान में बदलाव के साथ-साथ व्यायाम को भी शामिल नहीं कर रहे हैं तो आपका वजन नहीं घट सकता।अगर आप वजन घटाने के लिए खानपान में बदलाव के साथ-साथ व्यायाम को शामिल नहीं करते हैं तो आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिल सकता। रोजाना कम से कम आधा घंटा किसी भी तरह की शारीरिक गतिविधि करना जरूरी है।इसके अलावा आप चाहें तो योग और टहलने को भी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं।

तनाव लेना

तनाव लेने से न केवल वजन बढ़ता है, बल्कि इससे कई तरह की बीमारियां भी हो सकती हैं। ऐसे में वजन घटाने के लिए तनाव से दूर रहना जरूरी है।तनाव से दूर रहने के लिए आप ध्यान और गहरी सांस लेने की प्रक्रिया को अपना सकते हैं।इसके अलावा आप चाहें तो अपनी पसंदीदा गतिविधि या फिर अपने पसंदीदा गाने सुन सकते हैं। इससे आपका मन हल्का होगा और आप तनावमुक्त रहेंगे।

क्या आपका गुस्सा आपको अस्वस्थ कर रहा है? जानें 5 संकेत

गुस्सा एक सामान्य मानवीय भावना है, लेकिन जब यह अस्वस्थ रूप ले लेता है तो कई समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताएंगे, जो यह दर्शाते हैं कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है और आपको मदद की जरूरत है। इन संकेतों को पहचानकर आप समय रहते अपनी स्थिति को सुधार सकते हैं और एक संतुलित जीवन जी सकते हैं।

लगातार गुस्सा आना

अगर आपको बार-बार या लगातार गुस्सा आता है तो यह एक अहम संकेत हो सकता है कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है।

इस स्थिति में आप छोटी-छोटी बातों पर भी ज्यादा प्रतिक्रिया देने लगते हैं और इससे आपके रिश्ते पर बुरा असर पड़ सकता है।

अगर आप खुद को इस स्थिति में पाते हैं तो आपको किसी विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए ताकि आप अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से समझ सकें और नियंत्रित कर सकें।

दूसरों पर चिल्लाना या अपशब्द कहना

अगर आप दूसरों पर चिल्लाते हैं या अपशब्द कहते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है।

इस तरह का व्यवहार न केवल आपके रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकता है बल्कि समाज में आपकी छवि भी खराब कर सकता है।

अगर आप खुद को इस स्थिति में पाते हैं तो आपको अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए उपाय खोजने चाहिए और शांत रहने की कोशिश करनी चाहिए।

खुद को नुकसान पहुंचाना

अगर आप अपने गुस्से को नियंत्रित नहीं कर पाते और खुद को नुकसान पहुंचाते हैं तो यह बहुत गंभीर स्थिति है।इससे न केवल आपका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है।खुद को नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार को तुरंत पहचानना जरूरी है और इसके लिए आपको किसी पेशेवर मदद की जरूरत पड़ सकती है ताकि आप सही दिशा में जा सकें और अपनी स्थिति को सुधार सकें।

नींद न आना या ज्यादा नींद आना

गुस्से के कारण नींद पर भी असर पड़ सकता है। अगर आपको रात में सोने में दिक्कत होती है या जरूरत से ज्यादा नींद आती है तो यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। इस स्थिति में आपको अपने दिनचर्या में बदलाव लाने की जरूरत पड़ सकती है ताकि आप अपने गुस्से को बेहतर तरीके से समझ सकें और नियंत्रित कर सकें। सही समय पर मदद लेना भी जरूरी हो सकता है।

आत्म-सम्मान में कमी आना

अगर आपका आत्म-सम्मान कम होता जा रहा है और आप खुद को नीचा समझते हैं तो यह भी अस्वस्थ गुस्से का संकेत हो सकता है। इससे न केवल आपकी मानसिक स्थिति बिगड़ती है बल्कि आपके रिश्तों पर भी बुरा असर पड़ता है।

इस स्थिति में आपको अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से समझना होगा और उन्हें नियंत्रित करने के उपाय खोजने होंगे ताकि आप एक संतुलित जीवन जी सकें।

रथयात्रा हमारी आस्था, लोकसंस्कृति, सामाजिक समरसता और जनभागीदारी का जीवंत महापर्व : मुख्यमंत्री साय

-राज्यपाल डेका और मुख्यमंत्री साय ने भगवान श्री जगन्नाथ की पावन रथयात्रा में हुए शामिल

रायपुर (ए.)। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज गुरुवार को राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर में आयोजित भव्य रथयात्रा महोत्सव में शामिल हुए। दोनों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा पारंपरिक छेरा-पहरा की रस्म निभाते हुए प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की आस्था, भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और जयघोष के बीच भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की प्रतिमाओं को विशेष विधि-विधान के साथ मंदिर से रथ तक लाया गया।इसके पूर्व राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पारंपरिक रीति से सोने की झाड़ू द्वारा छेरा-पहरा की रस्म निभाकर रथमार्ग का प्रतीकात्मक शुद्धिकरण किया। इसके पश्चात महाप्रभु की प्रतिमाओं को श्रद्धापूर्वक रथ पर विराजित किया गया और रथयात्रा का शुभारंभ हुआ।इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को रथयात्रा की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता, लोकपरंपरा और जन-जन की आस्था का महापर्व है। यह उत्सव समाज को सेवा, समर्पण, समानता और लोककल्याण का संदेश देता है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ किसानों के आराध्य और अन्नदाता के रक्षक माने जाते हैं। उनकी कृपा से समय पर वर्षा होती है, खेतों में हरियाली आती है, धान की बालियों में दूध भरता है और किसानों के घरों में समृद्धि का आगमन होता है।

विधानसभा में ब्लैकलिस्टेड दवाइयों की सप्लाई पर हंगामा, विपक्ष ने सरकार को घेरा

गुजरात में ब्लैकलिस्टेड कंपनी की दवा का मुद्दा उठा, स्वास्थ्य मंत्री बोले— छत्तीसगढ़ में खरीदी गई दवा अलग थी, एहतियातन आदेश रद्द किए गए

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन गुजरात में ब्लैकलिस्टेड दवाइयों की छत्तीसगढ़ में सप्लाई का मुद्दा विपक्ष ने उठाया. नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के साथ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अनुपस्थिति में कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को विषय पर घेरा।

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि जो दवाइयां गुजरात मे बैन है. उसे छत्तीसगढ़ में बैन क्यों नहीं की. कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मरीजों को बिना क्वालिटी की दवाई सप्लाई हो रही है. क्या हम प्री टेस्ट नहीं करा रहे हैं? स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सीजीएमएससी के नियम पहले से बने हुए हैं. हम प्री टेस्ट नहीं कराते हैं, लेकिन जब दवाई आ जाती है, तब हम अपनी लैब में टेस्ट कराते हैं.पूर्व सीएम भूपेश बघेल की अनुपस्थिति में विधायक अटल श्रीवास्तव ने पूछा कि क्या यह सत्य है कि दवा निर्माता कंपनी मेसर्स 'यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड' द्वारा प्रदायित एस्पिरिन टैबलेट्स आइपी' गुणवत्ता मानकों पर विफल होने के कारण गुजरात राज्य द्वारा ब्लैकलिस्टेड की गई थी? यदि हाँ, तो क्या इसकी आधिकारिक संसूचना छत्तीसगढ़ शासन या सीजीएमएससी को प्राप्त हुई थी ?इसके साथ विधायक ने पूछा कि क्या यह भी सत्य है कि छत्तीसगढ़ में इसी अमानक औषधि के क्रय एवं आपूर्ति आदेश को त्वरित स्वीकृति प्रदान की गई? यदि हाँ, तो स्थापित वित्तीय नियमों को शिथिल करने हेतु कौन से लोकसेवक उत्तरदायी हैं? इस प्रतिबंधित अवधि के दौरान या उसके बाद उक्त कंपनी से कुल कितनी मात्रा एवं किस संविदा दर पर औषधियां क्रय की गईं? कुल कितना वित्तीय भुगतान किया गया तथा क्या क्रय-पूर्व अनिवार्य बैच-परीक्षण संपन्न कराया गया था ?

विधानसभा में नक्सलवाद के खात्मे पर आभार प्रस्ताव, शहीदों को नमन और विकास का संकल्प

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नक्सलवाद के खिलाफकेंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा गया। प्रस्ताव में नक्सल हिंसा में शहीद हुए जवानों, पुलिसकर्मियों और निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया गया।

प्रस्ताव में कहा गया कि नक्सलवाद की वजह से दशकों तक बस्तर सहित कई क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रभावित रहीं। रानीबोदली, ताड़मेटला, झीरम घाटी और अन्य बड़े नक्सली हमलों का उल्लेख करते हुए शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को याद किया गया।

सरकार ने दावा किया कि वर्ष 2024 से 2026 के बीच नक्सली घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। इस अवधि में 537 नक्सली मारे गए, 2,055 गिरफ्तार हुए और 2,948 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। साथ ही नई आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, आवास, प्रशिक्षण और रोजगार जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

प्रस्ताव में बस्तर पंडुम, बस्तर ओलंपिक, नियद नेल्लानार योजना और सेवा डेरा जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा गया कि इन पहलों से आदिवासी क्षेत्रों में विकास, खेल, संस्कृति और सरकारी सेवाओं की पहुंच बढ़ी है। सड़क, रेल, मोबाइल टावर और अन्य बुनियादी ढांचे के विस्तार पर भी सरकार ने जोर दिया।

बाघों के शिकार पर विपक्ष के सवाल, वन मंत्री बोले- 41 आरोपी गिरफ्तार, दोषियों पर सख्त कार्रवाई

विधानसभा में गूंजा इंद्रावती टाइगर रिजर्व का मामला

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघों के शिकार का मामला जोरदार ढंग से उठा। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए बाघों के लगातार शिकार और कथित लापरवाही का मुद्दा सदन में उठाया। कांग्रेस विधायक शेषराज हरवंश, विक्रम मंडावी और लखेश्वर बघेल ने भी सरकार को इस मुद्दे पर घेरा।

आईबी जवान का नाम सार्वजनिक क्यों नहीं?

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सवाल किया कि बाघ शिकार मामले में गिरफ्तार महाराष्ट्र पुलिस के इंटेलिजेंस सेल से जुड़े जवान का नाम सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया। उन्होंने पूछा कि क्या इसके पीछे कोई राजनीतिक संरक्षण या सिंडिकेट है। महंत ने कहा कि विभाग को पहले से अलर्ट मिलने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई और पिछले 30 महीनों में छह बाघों की मौत हुई है।

वन मंत्री ने आरोपों का किया खंडन

वन मंत्री केदार कश्यप ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसी भी आरोपी को बचाने या उसका नाम छिपाने का प्रयास नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि इंद्रावती टाइगर रिजर्व में 126 कैमरे लगाए गए हैं और सभी कैमरे पूरी तरह कार्यशील हैं। विभाग लगातार गश्त और निगरानी कर रहा है तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।विधायक विक्रम मंडावी के सवाल पर वन मंत्री ने बताया कि 2022 की गणना के अनुसार इंद्रावती टाइगर रिजर्व में पांच बाघों की पुष्टि हुई थी। उन्होंने कहा कि अब तक छह बाघों की खाल बरामद हुई है, लेकिन यह वैज्ञानिक रूप से अभी पुष्टि नहीं हुई है कि सभी खालें इंद्रावती के बाघों की ही हैं। रिजर्व के संरक्षण पर प्रतिवर्ष लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं।

वन मंत्री ने सदन को बताया कि 29 जून 2026 को मिली खुफिया सूचना के आधार पर वन विभाग और पुलिस की संयुक्त एंटी-पोचिंग टीम ने कांकेर जिले के बांदे-पखाजूर मार्ग पर कार्रवाई कर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली निवासी बियेश्वर गेड़ाम और बाबूराव मडावी को गिरफ्तार किया।

(रायपुर)संकेत साहित्य समिति द्वारा वृंदावन हॉल रायपुर में वर्षा ऋतु के स्वागत में पावस काव्य -गोष्ठी आयोजित की गई । गोष्ठी में राजधानी सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए अनेक कवियों ने काव्य -पाठ किया।

बंगाल की खाड़ी में नया सिस्टम बनेगा, तब बढ़ेगी बारिश

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मानसून बार-बार कमजोर पड़ने से बारिश का सिलसिला टूट रहा है। जुलाई के मध्य तक पहुंचने के बावजूद प्रदेश में मौसमी वर्षा सामान्य से 29 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहा और कहीं भी उल्लेखनीय बारिश नहीं हुई। मंगलवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस, जो सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक, जबकि न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री, सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा।मौसम विभाग के अनुसार मानसून के बार-बार कमजोर पड़ने की सबसे बड़ी वजह बंगाल की खाड़ी में लगातार मजबूत निम्न दाब क्षेत्र (लो प्रेशर) नहीं बन पाना है। जब भी कोई सिस्टम सक्रिय होता है, कुछ दिन अच्छी बारिश होती है, लेकिन उसके कमजोर पड़ते ही मानसूनी गतिविधियां धीमी हो जाती हैं। अब उत्तरी बंगाल की खाड़ी और दक्षिणी बांग्लादेश के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है, जिसके प्रभाव से अगले 24 घंटे में नया निम्न दाब क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके असर से 15 जुलाई से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां बढ़ने का अनुमान है।

खेल समाचार

स्टीव स्मिथ ने मेजर लीग क्रिकेट में लगाया शतक, उनकी टीम ने दर्ज की रिकॉर्ड जीत

नईदिल्ली,(ए.) । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के एलिमिनेटर मैच में शतक लगाया। वाशिंगटन फ्रीडम का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 110 रन बनाए। यह उनके टी-20 क्रिकेट करियर का 7वां शतक साबित हुआ। उनकी पारी की मदद से वाशिंगटन फ्रीडम ने नॉकआउट मैच में एमआई न्यूयॉर्क को 6 विकेट से हराया। आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।जीत के लिए मिले 267 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी की और 19 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया।उन्होंने 40 गेंदों में अपना शतक पूरा किया।वह 48 गेंदों में 7 चौकों और 9 छक्कों की मदद से नाबाद 110 रन बनाए। इस बीच उन्होंने एंड्रिस गौस के साथ मिलकर 241 रन की साझेदारी की।गौस 51 गेंदों में 10 चौकों और 12 छक्कों की मदद से 132 रन बनाकर नाबाद रहे।

स्मिथ ने अपने टी-20 क्रिकेट करियर में सबसे तेज शतक (गेंदों के लिहाज से) लगाया।अपने करियर में उन्होंने 264 पारियों में 33.03 की औसत और 132.66 की स्ट्राइक रेट से 6,970 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 7 शतक और 33 अर्धशतक लगाए। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 125 रन रहा है।

जिम्बाब्वे बनाम बांग्लादेश: नाहिद राणा ने पहले टी-20 में लिए 4 विकेट, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली,(ए.) । बांग्लादेश क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टी-20 में उम्दा गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट लिए। यह उनके युवा टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनकी उम्दा गेंदबाजी के बावजूद जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 170/6 का स्कोर बनाया। जिम्बाब्वे की ओर से ब्रायन बेनेट ने सर्वाधिक 44 रन बनाए। आइए उनकी गेंदबाजी और आंकड़ो पर एक नजर डालते हैं।

अपनी तेज गति के लिए मशहूर नाहिद ने विपक्षी टीम के सलामी बल्लेबाज तादिवानाशे मारुमानी (14) को आउट करते हुए अपने विकेटों का खाता खोला।

उसके बाद बांग्लादेशी तेज गेंदबाज ने बेनेट को पवेलियन की राह दिखाई।

उन्होंने पारी के 18वें ओवर की दूसरी और तीसरी गेंद पर मिल्टन शुम्बा (11) और ताशिंगा मुसेकिवा (0) को पवेलियन की राह दिखाई।

उन्होंने अपने 4 ओवर में 26 रन देते हुए ये 4 विकेट लिए।

नाहिद ने 2025 में यूएई क्रिकेट टीम के खिलाफ अपना डेब्यू किया था।

उन्होंने अब तक 4 मैचों में 18.85 की औसत और 10.15 की इकॉनमी रेट के साथ 7 विकेट लिए।

उन्होंने अपने युवा करियर में यूएई के खिलाफ 2 और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1 विकेट चटकाया।

अपने टी-20 क्रिकेट के करियर में उन्होंने 38 मैचों में 41 विकेट लिए हैं। उन्होंने टी-20 क्रिकेट में दूसरी बार 4 विकेट लिए हैं।

फीफा विश्व कप 2026: अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को हराते हुए फाइनल में किया प्रवेश

नईदिल्ली(ए.) । फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मैच में अर्जेंटीना फुटबॉल टीम ने इंग्लैंड फुटबॉल टीम को 2-1 से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया। अटलांटा स्टेडियम में लगभग 68 हजार दर्शकों की मौजूदगी में अर्जेंटीना की ओर से एंजो फर्नांडीज और लाउटारो मार्टिनेज ने 1-1 गोल किए। इंग्लैंड की ओर से एंथनी गॉर्डन ने इकलौता गोल किया। अब फाइनल मैच में अर्जेंटीना का सामना स्पेन फुटबॉल टीम से होना है।

पहले हाफ की शुरुआत में इंग्लिश टीम आक्रामक अंदाज में नजर आई।

मैच के 14वें मिनट में इंग्लैंड के फॉरवर्ड खिलाड़ी गॉर्डन ने लंबी दूरी तक दौड़ लगाई, लेकिन अर्जेंटीना के डिफेंस ने उनके आक्रमण को रोक दिया।मैच के 19वें मिनट में इंग्लैंड की ओर से रोजर्स ने प्रयास किया, जिसे गोलकीपर ने विफल किया।

पहले हाफ में कई प्रयासों के बावजूद कोई गोल नहीं देखने को मिला।पहले हाफ में अर्जेंटीना ने 12 फाउल किए।

मैच के 55वें मिनट में मॉर्गन रोजर्स के बेहतरीन क्रॉस पर एंथनी गॉर्डन ने गोल करते हुए श्री लायंस को बढ़त दिला दी।

मैच के 69वें मिनट में मेसी के शानदार क्रॉस पर निको गोंजालेज ने हेडर लगाया। उनका शॉट टारगेट पर था, लेकिन गोलकीपर पिकफोर्ड ने बचाव किया। 75वें मिनट पर फिर से पिकफोर्ड ने अपनी चपलता से गोल नहीं होने दिया।आखिरकार 85वें मिनट में एंजो फर्नांडीज ने मेसी के पास पर गोल करते हुए स्कोर 1-1 किया।पहले गोल को खाने के बाद इंग्लिश टीम के डिफेंस में लगातार गलतियां देखने को मिली और परिणामस्वरूप अर्जेंटीना ने कई बेहतरीन प्रयास किए।

मैच की समाप्ति से कुछ मिनट पहले (90+2) मेसी के क्रॉस पर मार्टिनेज ने हेडर के जरिए गोल किया, जो कि निर्णायक साबित हुआ।

शौक से शुरू हुआ सफर बना जुनून', सोनम मस्कर ने पिता के बलिदान को किया याद

नई दिल्ली (ए.) । कोल्हापुर की सोनम उत्तम मस्कर ने शूटिंग को बस शौक के तौर पर शुरू किया था और अब वह जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी कर रही हैं। सोनम ने बताया कि उनके पिता ने उनके सपने को पूरा करने के लिए जरूरी सामान खरीदने की खातिर एक प्रॉपर्टी बेच दी थी।23 साल की 10 मीटर एयर राइफल शूटर उस भारतीय टीम का हिस्सा होंगी जो जापान जाएगी, जहां एशियाई खेलों में शूटिंग इवेंट्स 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आइची प्रीफेक्चुरल जनरल शूटिंग गैलरी में होंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का सफर सोनम के लिए आसान नहीं रहा। शूटिंग को करियर के रूप में अपनाने के दौरान उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रोफेशनल शूटिंग उपकरण काफी महंगे थे और कोविड-19 महामारी के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर हो गई थी। इसके बावजूद सोनम ने हार नहीं मानी और अपनी मेहनत के दम पर आगे बढ़ती रहीं।सोनम ने उस पल को याद करते हुए कहा, एक समय ऐसा था जब हम आर्थिक मुश्किलों का सामना कर रहे थे, खासकर लॉकडाउन के दौरान।

जब यह साफ हो गया कि शूटिंग में आगे बढ़ने के लिए मुझे अपने खुद के सामान की जरूरत है, तो मेरे पिता ने एक प्रॉपर्टी बेच दी ताकि हम उसे खरीद सकें।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मोइसेस हेनरिक्स ने घरेलू क्रिकेट से लिया संन्यास

नईदिल्ली,(ए.) । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर मोइसेस हेनरिक्स ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया है। उन्होंने 22 साल लंबे शानदार करियर के बाद ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उन्हें बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी सिक्सर्स की ओर से नया अनुबंध नहीं मिल सका था और उन्होंने अब अपने घरेलू करियर पर पूर्ण विराम लगाया। आइए उनके घरेलू क्रिकेट के आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

फरवरी में पीठ की सर्जरी करवाने वाले हेनरिक्स ने सिक्सर्स को बीबीएल 15 के फाइनल तक पहुंचाया और पिछले सीजन में न्यू साउथ वेल्स के वन-डे कप जीतने वाले अभियान के दौरान 5 मैचों में खेले थे।

हेनरिक्स ने कहा, मुझे दूसरी बीबीएल टीमों से भी ऑफर मिले थे, लेकिन कहीं और जाना मुझे सही नहीं लगा। थोड़ा सोचने-विचारने के बाद, मैंने तय किया की जिम्मेदारियों को खत्म करने का समय आ गया है। हेनरिक्स 3 बार बीबीएल चैंपियन रहे और इस लीग में सबसे ज्यादा 154 मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं।उन्होंने सिक्सर्स के लिए 142 पारियों में 27.93 की औसत और 128.53 की स्ट्राइक रेट के साथ सबसे ज्यादा 3,410 रन बनाए हैं। अपने टी-20 करियर में उन्होंने 26.48 की औसत से 5,747 रन और गेंदबाजी में 120 विकेट लिए।

टैलेंट सर्च 2026-27 में टेनिस एवं बैडमिंटन डे-बोर्डिंग चयन ट्रायल्स 17-18 जुलाई को

प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को मिलेगा उत्कृष्ट प्रशिक्षण का अवसर

भोपाल (निप्र)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश की उभरती खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें राज्य खेल अकादमियों एवं डे-बोर्डिंग योजनाओं के माध्यम से उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित टैलेंट सर्च 2026-27 अभियान के अंतर्गत विभिन्न खेल विधाओं के चयन ट्रायल्स निरंतर किए जा रहे हैं। इसी क्रम में टेनिस एवं बैडमिंटन डे-बोर्डिंग योजना के चयन ट्रायल्स 17 एवं 18 जुलाई को प्रात: 11 बजे से सायं 5 बजे तक टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल में किए जाएंगे।

टेनिस डे-बोर्डिंग योजना के माध्यम से मिलेगा विशेषज्ञ प्रशिक्षण

टैलेंट सर्च अभियान में होने वाले टेनिस डे-बोर्डिंग चयन ट्रायल्स में चयनित खिलाड़ियों को विभाग द्वारा संचालित डे-बोर्डिंग योजना के माध्यम से नियमित एवं वैज्ञानिक प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाएँ, अनुभवी प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन तथा प्रतियोगी स्तर की तैयारी का अवसर दिया जाएगा। योजना प्रदेश की प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

बैडमिंटन डे-बोर्डिंग योजना के लिए भी होंगे चयन ट्रायल्स

इसी अवसर पर बैडमिंटन डे-बोर्डिंग योजना के लिए भी चयन प्रक्रिया होगी। योजना के अंतर्गत 10 से 12 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि 12 वर्ष से अधिक आयु के खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय अथवा उससे उच्च प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण, आधुनिक खेल अधोसंरचना तथा विशेषज्ञ कोचों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

टैलेंट सर्च 2026-27: प्रदेश की खेल प्रतिभाओं के लिए सुनहरा मंच

टैलेंट सर्च 2026-27 खेल एवं युवा कल्याण विभाग की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसके माध्यम से प्रदेशभर से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें व्यवस्थित प्रशिक्षण एवं बेहतर खेल अवसरों से जोड़ा जा रहा है। अभियान के अंतर्गत विभिन्न खेलों के चयन ट्रायल्स में बड़ी संख्या में खिलाड़ी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं और अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं।

महाप्रभु भाई बहन के साथ रथ में सवार होकर श्रद्धालुओं को दर्शन देने नगर भ्रमण पर निकलें

धूमधाम से शुरू हुआ रथयात्रा महोत्सव, भक्तों ने की पूजा अर्चना

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदा नगरी की प्राचीन परंपराओं के तहत नर्मदा नगरी में रथयात्रा महोत्सव का आयोजन भक्ति भाव से शुरू हो गया है। भगवान जगन्नाथ स्वामी, बढ़े भ्राता बलराम जी, बहन सुभद्रा जी की रथयात्रा जगदीश मंदिर से जयकारे और धूमधाम के साथ शुरू हुई। पूरे विधि विधान से गादी घर से भगवान को रथारूढ़ कराने के बाद पूजन अर्चन और विशेष श्रृंगार किया गया। पूजन आचार्य पं नीरजेश त्रिपाठी ने कराई। रथ में सवार भगवान की श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चन और आरती की उसके बाद भव्य रथ नगर भ्रमण पर है। रथयात्रा में शामिल होने के लिए देश के अनेक प्रांतों के साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों से साधु, संत, महंत, पंडित, पुजारी, राम सखी, विप्र समुदाय के अलावा आसपास के हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में शामिल हुए। रथयात्रा को शहरवासी महोत्सव के रूप में मना रहे हैं। दूसरे दिन रथयात्रा जनकपुरी से ग्वालटोली के लिए रवाना होगी।

दर्शन कराने के लिए उमड़ रहे हैं।

जगह जगह उतारी जा रही आरती

जैसे ही भगवान का रथ आगे बढ़ रहा है। लोग फूलों की वर्षा कर रहे हैं। वहीं कई श्रद्धालु अपने अपने घर के सामने आरती की थाल लिए भगवान के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। पूरे परिवार के साथ पूजन अर्चन कर आरती उतारी जा रही है। अनेक परिवार में लोग अपने नवजात बच्चों को भी भगवान के

श्रद्धालुओं और रामसखी ने किया नृत्य

रथ के साथ साथ साधु संत हाथ में ध्वज पताका लिए चल रहे हैं तो अयोध्या सहित अन्य स्थानों से आई रामसखी उत्साह के साथ नृत्य करते हुए चल रही हैं। वहीं अखाडे के लोग प्रदर्शन करते हुए चल रहे हैं। सैनी होटल के रमेश सैनी के द्वारा स्टील की बनेटी आकर्षक तरीके से घुमाई जा रही है। मंदिर में घोड़ों का नृत्य भी हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालु रथ के साथ साथ शामिल हो रहे हैं। रथ आने से पूर्व ही जिस रास्ते से रथ आने वाला है वहां पर पहले से ही सैंकडों की संख्या में लोग प्रतीक्षा कर रहे हैं।

विभिन्न प्रांतों से आए साधु संत

रथयात्रा में शामिल होने के लिए विभिन्न प्रांतों और प्रदेश के अनेक जिलों से साधु संत महंत आए हुए हैं। मंदिर के महंत नारायण दास ने बताया कि देश के विभिन्न स्थानों से साधु संतों और श्रद्धालुओं का आगमन हुआ है। जिनके लिए जगदीश मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया।

27 दिन बाद सिंहासन पर पहुंचेगे भगवान

मंदिर के महंत ने बताया कि एक पखवाडे तक गादीघर में उपचार के बाद भगवान दस दिन के लिए नगर भ्रमण पर रहेंगे उसके बाद ही सिंहासन पर विराजमान होंगे। इस प्रकार कुल 27 दिन बाद मंदिर के सिंहासन पर विराजमान हो सकेंगे। उसके बाद ही यहां से साधु संतों की विदाई होगी।

क्षेत्र का बड़ा उत्सव है रथयात्रा

नर्मदांचल के धार्मिक महोत्सव में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा अन्य धार्मिक आयोजन की तरह एक बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाने वाले पर्व है। प्रतिवर्ष की भांति आषाढ़ मास शुल्क पक्ष की द्वितीया से रथयात्रा महोत्सव शुरू होकर एकादशी तक जारी रहेगा। रथयात्रा के साथ पुलिस बल भी तैनात है।

जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव संपन्न, मतगणना हुई परिणाम सोमवार को घोषित होंगे

वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन के कारण परिणाम की घोषणा रोकी गई

नर्मदापुरम(निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एसएस पटेल व सहायक निर्वाचन अधिकारियों वरिष्ठ अधिवक्ताओं के मार्गदर्शन में जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव शांतिपूर्ण व सोहार्दमय माहौल में संपन्न हो गए। गुरूवार को निर्धारित कार्यक्रमानुसार मतगणना हो गई है। लेकिन जिला अधिवक्ता संघ के वरिष्ठ अधिवक्ता एसएस ठाकुर के आकस्मिक निधन के कारण चुनाव परिणाम की घोषणा नहीं की गई है। चुनाव परिणाम की घोषणा सोमवार को की जाएगी।

ये रहे आगे

चुनाव में कुल 16 राउंड की मतगणना हुई। जिनमें अध्यक्ष पद पर सुरेंद्र सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष पद पर नीरज पटेल, सचिव पद पर अनुपम दुबे, सहसचिव पद पर सीके कुरापा कोषाध्यक्ष पर पर श्रीमती गुरप्रीत कौर अपने निकटतम प्रत्याशी से आगे रहे। वहीं कार्यकारिणी सदस्य सहित सभी पदाधिकारियों की अधिकृत घोषणा सोमवार को होगी।

भगवान झूलेलाल चालीसा व्रत प्रारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। भगवान झूलेलाल चालीसा व्रत प्रारंभ सिंधी समाज के जनरल सेक्रेटरी मनोहर बड़ानी ने बताया भगवान झूलेलाल चालीसा का व्रत आज से शुरू हुआ बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोग भगवान झूलेलाल मंदिर में पूजा पाठ करने हेतु पहुंचे 40 दिन तक सिंधी समाज के लोग लहसुन प्याज वह अन्य चीजों का कड़ाई से पालन करते हैं सुबह 5 बजे झूलेलाल भगवान जी की पूजा करते हैं दिन भर सत्संग और कीर्तन चलता है ज्योत साहब की सेवा करते हैं बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोग झूलेलाल मंदिर में शामिल हुए।

नर्मदांचल की विधि जगत को अपूरणीय क्षति वरिष्ठ अधिवक्ता एसएस. ठाकुर का आकस्मिक निधन

अधिवक्ताओं सहित नर्मदा नगरी में गहरा शोक व्याप्त, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्यकार, विचित्र कुमार सिन्हा की स्मृति में हुआ था सम्मान

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग के वरिष्ठ अधिवक्ता जिला अधिवक्ता संघ नर्मदापुरम के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित अधिवक्ता एस एस ठाकुर का गुरूवार को प्रात: लगभग 11 बजे आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से विधि जगत सामाजिक क्षेत्र एवं अधिवक्ता समुदाय में गहरा शोक व्याप्त है। उनके निधन को नर्मदापुरम की न्यायिक परंपरा के एक स्वर्णिम अध्याय के अवसान के रूप में देखा जा रहा है।श्री ठाकुर ने लगभग 57 वर्षों तक लगन, निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ वकालत की। उल्लेखनीय है कि वे अपने जीवन के अंतिम दिन तक सक्रिय रहे। कल भी वे नियमित रूप से न्यायालय पहुँचे, जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग किया और अधिवक्ताओं से आत्मीय भेंट की। आज प्रात: लगभग 11 बजे उनके निधन का समाचार मिलते ही पूरे न्यायालय परिसर एवं अधिवक्ता समाज में शोक की लहर दौड़ गई। वे अपनी समयनिष्ठा, निष्पक्ष कार्यशैली, सरल स्वभाव और आत्मीय व्यवहार के लिए अधिवक्ताओं एवं आमजन के बीच अत्यंत सम्मानित थे। उन्होंने वकालत को केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि न्याय की सेवा और समाज के प्रति दायित्व के रूप में निभाया। उनका व्यक्तित्व नई पीढ़ी के

अधिवक्ताओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनका अंतिम संस्कार 17 जुलाई को प्रात: 9.30 बजे नर्मदातट के राजघाट नर्मदापुरम में किया जाएगा।श्री ठाकुर के निधन पर अधिवक्ताओं, सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। स्व श्री ठाकुर का स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्यकार, विचित्र कुमार सिन्हा की स्मृति में नर्मदा महाविद्यालय में 14 फरवरी 2025 को विजय गुप्ता स्मृति विधि सेवी सम्मान से संभाग के वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में सम्मानित किया गया था।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अभिनव पहल के तहत विस्थापित ग्रामों के किसानों तक पहुंची खाद

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अभिनव पहल के अंतर्गत विस्थापित ग्रामों के किसानों को बड़ी राहत मिल रही है। खाद के सामूहिक उठाव व्यवस्था के चलते किसानों द्वारा सामूहिक रूप से खाद का उठाव (उर्वरकों का सहभागितापूर्ण उठाव) किया जा रहा है, जिससे उनकी परिवहन लागत और अमूल्य समय की बचत हो रही है। इस सफल अभियान के अंतर्गत प्रशासन किसानों के द्वार तक सेवा पहुँचाने का प्रयास कर रहा है। विस्थापित ग्रामों के किसान प्रशासन की इस सुविधा का भरपूर लाभ उठा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को विस्थापित ग्राम नया माना के जागरूक कृषकों - उमलेश, रामभरोस, जोहरी, अंतराम, हरिप्रसाद, रमेश और श्री राम द्वारा सामूहिक रूप से लगभग 90 बोरी खाद का उठाव किया गया। विस्थापित ग्रामों के किसानों के लिए जिला प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा तकनीकी सुगमता भी सुनिश्चित की गई है। कृषि विभाग के मैदानी अमले के द्वारा विस्थापित ग्रामों के किसानों के भूमि पट्टों को सफलतापूर्वक एग्रीस्टेक पोर्टल से जोड़ने का कार्य किया गया।

भारतीय किसान संघ नें कमिश्नर कार्यालय का घेराव किया, शत् प्रतिशत मूंग खरीदी को लेकर घेरेंगे राजधानी

नर्मदापुरम।भारतीय किसान संघ का अनिश्चितकालीन आंदोलन का ग्याहरवां दिन है लगभग 260 घंटे से ज्यादा इस आंदोलन को गुजर चुके हैं, लेकिन शासन ने किसी प्रकार की कोई सुनवाई किसाने की नहीं की, भारतीय किसान संघ लगातार ग्यारह दिन से धरना प्रदर्शन कर रहा था, जिसमें प्रतिदिन ही सरकार की सद्बुद्धि के लिए यज्ञ, भिक्षा वृत्ति की मांग,थाली बजाना, जल सत्याग्रह, भजन कीर्तन एवं अर्ध-नग्न प्रदर्शन, जैसी गतिविधियां भारतीय किसान संघ के आंदोलन में लगातार जारी है, इसके बावजूद सरकार ने किसानों की कोई सुनवाई नहीं की एवं शत् प्रतिशत मूंग खरीदी की घोषणा नहीं की गई, इससे नाराज संभाग भर के कार्यकर्ताओं नें कमिश्नर का घेराव किया । भारतीय किसान संघ के संभागीय अध्यक्ष विनोद पाटिल नें बताया कि हमनें कमिश्नर को ज्ञापन देकर शत प्रतिशत मूंग खरीदी की मांग की है, उन्होनें बताया ये उनके स्तर का मामला नहीं है, लेकिन प्रस्ताव भेजेंगे, इसलिए हमनें धरना समाप्त करके आगामी प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर प्रदेश सरकार को घेरनें हेतु भोपाल कूच की तैयारियां कर रहे है ।

किसान 10 दिन नहीं बेचें मूंग

भारतीय किसान संघ के प्रांत अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान नें बताया कि किसान 10 दिन तक अपनी उपज नहीं बेचें, प्रदेश सरकार को घेरनें की तैयारी चल रही है,कुछ दिनों में सकारात्मक परिणाम आ जाएंगे, हमनें 2 महीनें अपनी उपज रोक कर रखी है इसलिए किसान 10 दिन तक अपनी उपज रोक कर रखें ।

धरना प्रदर्शन, रैली निकालकर गये कमिश्नर कार्यालय

भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ता एवं किसान 12 बजे से धरना स्थल पर बैठे जहां प्रांत अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान,प्रदेश मंत्री योगेन्द्र भांबू, संभाग अध्यक्ष विनोद पाटिल,नरेन्द्र दोगनें, ओमकार राजपूत,रजत दुबे सूरजबली जाट, शिवमोहन सिंह,लखनलाल चौधरी,ललीत चौहान नें सभा को संबोधित किया, इसके बाद किसान रैली निकालकर कमिश्नर कार्यालय गये जहां ज्ञापन दिया ।

ये रहे उपस्थित

प्रांत अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान,प्रदेश मंत्री योगेन्द्र भांबू, संभाग अध्यक्ष विनोद पाटिल,नरेन्द्र दोगनें, ओमकार राजपूत,अशोक पटैल मलैया,रजत दुबे सूरजबली जाट,शंकरसिंह पटैल,मनोज नाबंगे, शिवमोहन सिंह, लखनलाल चौधरी,श्रीराम दुबे,ललीत चौहान, मंगलसिंह राजपूत, लोकेश गौर, श्यामशरण तिवारी, बदामीलाल साध, राजेश दीवान, भूपेन्द्र पटैल, ब्रजेश राजपूत,रामेश्वर जाट,आनंदराम किरार,विष्णु गौर,कैलाश गुर्जर,राजकुमार राजपूत,शरद पटैल,विनोद दुबे, सुभाष साध गोपाल मीणा आदि उपस्थित रहे ।

कुण्डीय गायत्री यज्ञ की श्रृंखला का 9वाँ आयोजन मोहित नगर में सम्पन्न

नर्मदापुरम,(निप्र)। अखिल विश्व गायत्री परिवार, नर्मदापुरम द्वारा संचालित 24 हजार गायत्री मंत्र जाप एवं एक कुण्डीय गायत्री यज्ञ की श्रृंखला का 9वाँ आयोजन गुरुवार को मोहित नगर स्थित सी.एम. पटेल के निवास पर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के परिजनों के साथ-साथ मोहल्ले के अनेक श्रद्धालुओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र जाप किया तथा यज्ञ में गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र एवं अन्य वैदिक मंत्रों के साथ आहुतियाँ अर्पित कीं। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी परिजनों ने सी.एम. पटेल एवं उनके परिवार का पुष्पवर्षा कर सम्मान किया तथा इस पुण्य एवं प्रेरणादायी आयोजन के लिए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। श्रृंखला के अंतर्गत अगला 24 हजार गायत्री मंत्र जाप एवं एक कुण्डीय गायत्री यज्ञ रविवार को अंकिता नगर स्थित डोरीलाल यादव के निवास पर आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर धनपाल सिंह राजपूत, महेश ठाकुर, जी.पी. पटेल, रामकुमार सोनी, केशव मांगरोल, चंद्रमोहन पटेल, शशि पटेल, शिवकुमार विश्वकर्मा, चंद्रमोहन गौर, संतोष यादव, अर्जुन सिंह यादव, बिनीता सोनी, रंजना राजपूत, माया ठाकुर, ए.एन. शर्मा, नीलू साहू, संध्या मांगरोल, सत्यचरण पटेल, वैशाली पटेल, सीमा गहलोत, लल्ली वर्मा, भाग्यश्री रावत, रूबी साहू, के.एल. शर्मा, धराज कुशराम, सीताराम साहू, रामकुमार गौर सहित गायत्री परिवार के अनेक परिजन एवं मोहल्ले के श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

स्व-सहायता समूह से बदली टमू केवट की जिंदगी

गृहणी से बनी सफल उद्यमी, आज गल्ला व्यवसाय और सिलाई कार्य से परिवार को मिली आर्थिक मजबूती

नर्मदापुरम,(निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्व-सहायता समूह महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। विकासखंड बाबई के ग्राम गनेरा की निवासी टमू केवट इसकी प्रेरणादायक मिसाल हैं। उन्होंने स्व-सहायता समूह से जुड़कर न केवल अपनी आजीविका को नया आयाम दिया, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ की है। टमू केवट वर्ष 2018 में याचिका स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह के माध्यम से उन्हें 10 हजार रुपये की रिवॉल्विंग फंड (RF) सहायता तथा 60 हजार रुपये का बैंक ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि का उपयोग उन्होंने गल्ला व्यवसाय एवं सिलाई कार्य शुरू करने में किया।समूह से जुड़ने से पहले टमू केवट गृहणी होने के साथ गांव में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करती थीं। उस समय उनकी व्यक्तिगत मासिक आय लगभग 6 हजार रुपये तथा परिवार की मासिक आय 10 से 12 हजार रुपये के बीच थी।

12 घंटे के भीतर पेट्रोल पम्प से टायर चोरी करने वाले शातिर चोर पुलिस की गिरफ्त में

नर्मदापुरम। पिछले दिनों 14 जुलाई को फरियादी फरियादी रजत शलुजा निवासी आरबीएल बैंक के पीछे आनंद नगर नर्मदापुरम द्वारा एचपी पेट्रोल पंप बाबई रोड से 07 टायरो को जिसकी कीमत करीब 1,75,000 रुपये का अज्ञात चोर द्वारा चोरी करने के संबंध में थाना देहात नर्मदापुरम में रिपोर्ट किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ट अधिकारियों को अवगत कराया गया साईं कृष्णा एस थोटा पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में अभिषेक राजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम एवं जितेंद्र कुमार पाठक एसडीओपी नर्मदापुरम के निर्देशन में तुरंत थाना देहात नर्मदापुरम से टीम का गठन कर प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए टीम को रवाना किया गया। मामले में तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर सूचना के आधार पर पिपरिया निवासी जित्तू अहिरवार पिता छोटेवीर अहिरवार उम्र 19 साल निवासी हथवास रोड पिपरिया को थाना लाकर पूछताछ किये जो आरोपी ने बताया कि अपने साथी शैलेश के साथ मिलकर पिकअप वाहन में 05-07-2026 को रात्रि में जिन्दबाबा के पास पेट्रोल पम्प पर रखे साथ हेवी टायर पिकअप में रखकर चोरी कर ले गये थे जिन्हें बेचने की नियत से दूरस्त स्थान पर ले जाकर झाड़ियो में छुपाकर रखे थे । जो आरोपी की निशादेही पर बताये स्थान से चोरी किये 07 टायर आरोपी के कब्जे से बरामद किये । बाद मामले में अन्य आरोपी शैलेश को तलब कर पूछताछ किये जो घटना दिनांक को वाहन महिंद्रा पिकअप क्रमांक एम पी 09- 2419 से चोरी करना स्वीकार किया जो आरोपी शैलेश से घटना में प्रयुक्त वाहन पिकअप कीमती करीबन 06 लाख रूपये की जप्त की गई ।

सराहनीय भूमिका- निरीक्षक उषा मरावी थाना प्रभारी देहात नर्मदापुरम सउनि प्रवीण शर्मा सुखनंदन नर्रे प्रधान आरक्षक नवीन दुबे महेंद्र सिंह धुर्वे आरक्षक कपिल विश्वकर्मा जितेंद्र सिंह राजपूत सायबर सैल आरक्षक दीपेश सोलंकी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध मदिरा के विनिर्माण, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध आबकारी विभाग की लगातार कार्रवाई, 4 प्रकरण दर्ज

70 हज़ार रुपये की 28 लीटर हाथ भट्टी शराब एवं 650 किलो महुआ लाहन जब्त

नर्मदापुरम,(निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के परिवहन, विनिर्माण एवं संग्रहण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा वृत्त औद्योगिक क्षेत्र इटारसी के अंतर्गत ग्राम सोनतलाई, कोठा, बटकुई, ग्वाडी एवं बिछुआ में विशेष अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, के अंतर्गत 4 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। आबकारी दल ने मौके से 28 लीटर हाथ भट्टी मदिरा तथा 650 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद कर जब्त किया। जब्त की गई मदिरा एवं महुआ लाहन की अनुमानित कीमत 70 हजार 600 रुपये आंकी गई है। आबकारी विभाग द्वारा जब्त सामग्री के संबंध में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी आर.पी. अहिरवार सहित आबकारी विभाग का अमला उपस्थित रहा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आज

नर्मदापुरम, (निप्र)। सांसद एवं अध्यक्ष जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) दर्शन सिंह चौधरी की अध्यता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक का आयोजन शुक्रवार 17 जुलाई को प्रात: 11:00 बजे से कार्यालय कलेक्टर नर्मदापुरम के रेवा सभाकक्ष में किया गया है। सर्व संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए है।

मिशन शक्ति के तहत किशोरी बालिकाओं का शैक्षणिक एवं जागरुकता भ्रमण आयोजित

नर्मदापुरम, (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग, परियोजना नर्मदापुरम ग्रामीण द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत सेक्टर होशंगाबाद एवं पवारखेड़ा की 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं एवं स्कूली बच्चों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक एवं जागरूकता भ्रमण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शासकीय व्यवस्थाओं से परिचित कराते हुए उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाना था।भ्रमण के दौरान बालिकाओं ने बाल कल्याण समिति, नर्मदापुरम का भ्रमण किया। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र कौरव सहित अन्य समिति सदस्य उपस्थित रहे। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र कौरव ने बालिकाओं को चाइल्ड हेल्पलाइन, महिला हेल्पलाइन, पॉक्सो अधिनियम, बच्चों के अधिकार, शिक्षा का अधिकार, सम्मान का अधिकार तथा सुरक्षा के अधिकार सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ।

समयबद्ध कार्य संस्कृति अपनाएं, विकास कार्यों में न हो कोई ढिलाई, जनता को समय पर मिले योजनाओं का लाभ : संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ

संभागायुक्त ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की, समयबद्ध क्रियान्वयन के दिए सख्त निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ की अध्यक्षता में गुरुवार को आयुक्त कार्यालय नर्मदापुरम संभाग के सभाकक्ष में संभागीय एवं जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व, स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास, जनजाति कार्य, शिक्षा, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम, नगरीय विकास एवं आवास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की योजनाओं, अभियानों एवं विभागीय कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।बैठक में संभागायुक्त श्री बनोठ ने सभी विभागों को शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को योजनाओं का लाभ समय पर मिले तथा प्रत्येक विभाग अपने लक्ष्यों की नियमित मॉनिटरिंग करे।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान संभागायुक्त ने अनमोल पोर्टल में पंजीयन की संख्या अपेक्षा से कम पाए जाने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक सप्ताह के भीतर उल्लेखनीय प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा में उन्होंने नल-जल योजनाओं का हैंडओवर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के संयुक्त निरीक्षण के बाद ही किए जाने के निर्देश दिए, ताकि कार्यों की गुणवत्ता एवं उपयोगिता सुनिश्चित हो सके। श्रम विभाग की समीक्षा के दौरान निर्माणाधीन भवनों के निरीक्षण की संख्या कम पाए जाने पर संभागायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर निरीक्षण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी लंबित राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट कहा कि सीएम हेल्पलाइन में कोई भी शिकायत अनअटेंडेड नहीं रहनी चाहिए तथा सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण किया जाए।

खाद्य विभाग की समीक्षा में संभागायुक्त ने उपार्जन भुगतान से संबंधित लंबित मामलों का निराकरण कर एक सप्ताह के भीतर किसानों को भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में संदीपनी स्कूल भवन निर्माण की सतत मॉनिटरिंग करने, निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने तथा जर्जर भवनों को तत्काल खाली कराने के निर्देश भी दिए गए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com